Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 360
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
रविवार, 04 जनवरी, 2026

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले का स्मारक ...
4 बचपन को सुरक्षा चाहिए, बोझ नहीं: ...
7 शुभमन गिल की कप्तानी में खेलेंगे रोहित...

संक्षिप्त न्यूज

मालवीय, वाजपेयी सही मायने में राजनेता थे: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और शिक्षाविद मदनमोहन मालवीय के राष्ट्र निर्माण में योगदान को याद करते हुए उन्हें सही मायने में राजनेता बताया। सिंह दिल्ली विधानसभा में दोनों नेताओं के चित्रों का अनावरण करने के बाद एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।
केंद्रीय मंत्री ने ''भारत माता'' विषय पर एक कॉफी टेबल बुक का भी लोकार्पण किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी मौजूद थीं। सिंह ने कहा कि वाजपेयी और मालवीय के चित्रों का अनावरण उनके शब्दों और कार्यों की एक मौन स्मृति है।
उन्होंने लोगों से शिक्षा को राष्ट्रीय हित को आगे बढ़ाने का एक साधन मानने का आह्वान किया, जैसा कि मालवीय ने किया था और राजनीति को वाजपेयी की तरह लोक सेवा के रूप में लेने का आग्रह किया।
रक्षा मंत्री ने कहा कि मालवीय और वाजपेयी सही मायने में राजनेता थे। सिंह ने कहा कि वाजपेयी ने स्वतंत्र भारत में शिक्षा को राष्ट्रीय चेतना से जोड़ने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि उनका (वाजपेयी) मानना ??था कि संकीर्ण मानसिकता से कोई महान नहीं बन सकता और उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि राजनीतिक मतभेद कभी भी कलह में तब्दील न हों।
उन्होंने कहा, ''वाजपेयी ने हमें सिखाया कि सत्ता में रहते हुए विनम्र रहना चाहिए और विपक्ष में रहते हुए राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखना चाहिए। यहां तक कि किसी की आलोचना करते समय भी वह हमेशा गरिमा बनाए रखते थे और उन्हें आहत करने से बचते थे।''
उन्होंने कहा कि वाजपेयी मालवीय के विचारों और कार्यों के ''सच्चे उत्तराधिकारी'' थे। इस कार्यक्रम में दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, विधायी मामलों के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

हमले के बाद बोले डोनाल्ड ट्रंप

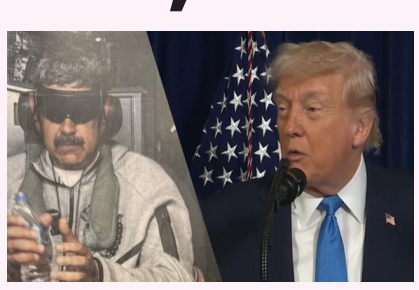

मादुरो हमारे कब्जे में, अब वेनेजुएला पर अमेरिकी शासन..., तेल पर कही ये बड़ी बात

वेनेजुएला। वेनेजुएला पर हमला और राष्ट्रपति मादुरो व उनकी पत्नी को अपने कब्जे में लेने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रेस कॉन्फ्रेस की. इसमें उन्होंने बड़ा ऐलान किया. ट्रंप ने कहा,वेनेजुएला में मेरे आदेश पर ऑपरेशन हुआ. ये ऑपरेशन तानाशाह को हटाने के लिए था. मादुरो तानाशाह हैं. हम चाहते हैं वेनेजुएला में शांति हो. वेनेजुएला अब हमारे कंट्रोल में है. वहां अब अमेरिकी शासन है. ये तब तक रहेगा जब तक वहां बदलाव नहीं हो जाता.
अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, मेरे आदेश पर वेनेजुएला में मिलिट्री ऑपरेशन को अंजाम दिया गया. इसमें जबरदस्त अमेरिकी मिलिट्री ताकत दिखी. हमारी आर्म्ड फोर्सेज ने हवा,

जमीन और समुद्र का इस्तेमाल करके शानदार हमला किया. ऐसा हमला था लोगों ने दूसरे विश्व युद्ध के बाद नहीं देखा. ये बड़ी कार्रवाई थी, ताकि तानाशाह निकोलस मादुरो को न्याय के कटघरे में लाया जा सके. यह अमेरिकी इतिहास में अमेरिकी मिलिट्री ताकत का सबसे शानदार और शक्तिशाली प्रदर्शन था.
समुद्र के रास्ते आने वाली 97इ ड्रग्स खत्म
ट्रंप ने कहा, अमेरिका ने समुद्र के रास्ते आने वाली 97इ ड्रग्स को खत्म कर दिया है. ज्यादातर ड्रग्स वेनेजुएला से आती है. बात करें तेल की तो वेनेजुएला में इसका बिजनेस फेल हो चुका है. अब वहां बड़ी अमेरिकी कंपनियां जाएंगी. अरबों डॉलर खर्च करेंगी और तेल के इंफ्रास्ट्रक्चर को ठीक करेंगी.
उन्होंने कहा, अगर जरूरत पड़ी तो अमेरिका वेनेजुएला पर दूसरा और बहुत बड़ा हमला करने के लिए तैयार है. मगर, इस हमले की सफलता को देखते हुए अब शायद इसकी जरूरत नहीं पड़ेगी।

पवित्र पिपरहवा अवशेषों की अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का शुभारंभ:

पीएम बोले- भगवान बुद्ध सबके हैं, सबको जोड़ते हैं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भगवान बुद्ध से जुड़े पवित्र पिपरहवा अवशेषों की भव्य अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा, सवा सौ साल के इंतजार के बाद भारत की विरासत लौटी है, भारत की धरोहर लौटी है। आज से भारतीय जनमानस, भगवान बुद्ध के इन पवित्र अवशेषों के दर्शन कर पाएगा, भगवान बुद्ध के आशीर्वाद ले पाएगा। मैं इस शुभ अवसर पर यहां मौजूद सभी अतिथियों का स्वागत और अभिनंदन करता हूं।

पीएम मोदी का 2026 का पहला सार्वजनिक कार्यक्रम

उन्होंने आगे कहा, 2026 के शुरुआत में ही यह शुभ उत्सव बहुत प्रेरणादायी है और मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि 2026 का ये मेरा पहला सार्वजनिक कार्यक्रम है, जो भगवान बुद्ध की चरणों से शुरू हो रहा है। मेरी कामना है कि भगवान बुद्ध के आशीर्वाद से 2026 दुनिया के लिए शांति, समृद्धि और सद्भाव का नया दौर लेकर आए। जिस स्थान पर यह प्रदर्शनी लगी है वो भी अपने-आप में विशेष है। किला राय पिथौरा का यह स्थान भारत के गौरवशाली इतिहास की यशभूमि है।

'भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष पाकर हम सभी धन्य'

उन्होंने कहा, भगवान बुद्ध के पवित्र

अवशेष को अपने बीच पाकर हम सभी धन्य हैं। इनका भारत से बाहर जाना और लौटकर फिर भारत आना... ये दोनों ही पड़ाव अपने-आप में बहुत बड़ा सबक है। सबक ये है कि गुलामी कोई राजनीतिक और आर्थिक नहीं होती, गुलामी हमारी विरासत को भी तबाह कर देती है। भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष के साथ भी यही हुआ। गुलामी के कालखंड में इन्हें भारत से छीना गया। तब से करीब सवा सौ साल तक ये देश से बाहर ही रहे हैं। इसलिए उन्होंने इन पवित्र अवशेषों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में नीलाम करने का प्रयास किया। भारत के लिए तो भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष... हमारे आराध्य का ही एक अंश है, हमारी सभ्यता का अभिन्न अंग है।

'पूरी मानवता का है भगवान बुद्ध का मार्ग'

उन्होंने कहा, भगवान बुद्ध का ज्ञान, उनका दिखाया माग... पूरी मानवता का है। यह भाव हमने बीते कुछ महीनों में बार-बार अनुभव किया। बीते कुछ महीनों में भगवान बुद्ध के पावन अवशेष जिस भी देश में गए, वहां आस्था और श्रद्धा का ज्वार उमड़ आया।

'बुद्ध सबके हैं...सबको जोड़ते हैं..'

प्रधानमंत्री ने कहा, भगवान बुद्ध सबके हैं... सबको जोड़ते हैं। मैं खुद को बहुत भाग्यशाली समझता हूं, क्योंकि भगवान बुद्ध का मेरे जीवन में बहुत ही गहरा स्थान रहा है। मेरा जन्म जिस वडनगर में हुआ, वो बौद्ध शिक्षा का बहुत बड़ा केंद्र था। जिस भूमि पर भगवान बुद्ध ने प्रथम उपदेश दिए, वो सारनाथ आज मेरी कर्मभूमि है। भारत केवल भगवान बुद्ध के पावन अवशेषों का संरक्षक नहीं है, बल्कि उनकी परंपरा का जीवंत वाहक भी है। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध से जुड़े अवशेष बुद्ध के संदेश की जीवित उपस्थिति है।

वेनेजुएला को लेकर भारत की ट्रैवल एडवाइजरी, भारतीयों को यात्रा से बचने की सलाह दी

नई दिल्ली। भारत ने शनिवार रात अपने नागरिकों को सलाह दी कि वे वेनेजुएला की गैर-जरूरी यात्रा से बचें, क्योंकि अमेरिका द्वारा वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़े जाने के बाद वहां हालात बिगड़ गए हैं। विदेश मंत्रालय ने वेनेजुएला में मौजूद सभी भारतीयों से भी बहुत ज्यादा सावधानी बरतने और अपनी आवाजाही सीमित रखने को कहा है।
विदेश मंत्रालय ने कहा, वेनेजुएला में हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे वेनेजुएला की सभी गैर-ज़रूरी यात्रा से बचें। जो

भी भारतीय किसी भी कारण से वेनेजुएला में हैं, उन्हें सलाह दी जाती है कि वे बहुत अधिक सावधानी बरतें, अपनी आवाजाही सीमित रखें और काराकास में भारतीय दूतावास के संपर्क में रहें।
मंत्रालय ने भारतीयों से फोन नंबर ₹58-412-9584288 (व्हाट्सएप कॉल के लिए भी) और ईमेल के ज़रिए दूतावास से संपर्क करने को कहा। वेनेजुएला में लगभग 50 अनिवासी भारतीय और 30 भारतीय मूल के लोग हैं।
कुछ अमेरिकी सैनिक घायल हुए हैं, लेकिन 'कोई भी मारा नहीं गया': ट्रंप
अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कहा कि वेनेजुएला में अभियान के दौरान एक हेलीकॉप्टर पर हमला हुआ और कुछ अमेरिकी सैनिक घायल हो गये लेकिन उनका मानना है कि कोई भी मारा नहीं गया। अमेरिका ने शुक्रवार देर रात को वेनेजुएला पर बड़े पैमाने पर हमला किया। अमेरिका ने कहा है कि देश के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़ लिया गया है और देश से बाहर ले जाया गया है। ट्रंप ने कहा कि मादुरो और उनकी पत्नी एक अमेरिकी युद्धपोत पर सवार हैं और उन्हें न्यूयॉर्क में मुकदमे का सामना करना होगा।
ट्रंप ने कहा, कुछ अमेरिकी सैनिक घायल हुए लेकिन वे वापस आ गए हैं और उनकी हालत काफी ठीक बताई जा रही है। उन्होंने कहा कि इस अभियान में अमेरिका का कोई भी विमान नष्ट नहीं हुआ। उन्होंने कहा, ''हमें ऐसा करना पड़ा क्योंकि यह एक युद्ध है।

मनरेगा के लिए सड़को पर उतरेगी कांग्रेस, 10 जनवरी से जी राम जी कानून के खिलाफ शुरू करेगी आंदोलन

नई दिल्ली। मनरेगा को लेकर केंद्र सरकार और कांग्रेस के बीच सियासी टकराव तेज हो गया है। कांग्रेस ने घोषणा की है कि वह 10 जनवरी से 25 फरवरी तक देशभर में 'मनरेगा बचाओ संग्राम' चलाएगी। पार्टी का कहना है कि नए वीबी-जी राम-जी एक्ट के जरिए ग्रामीण रोजगार की गारंटी खत्म की जा रही है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। कांग्रेस ने इस कानून को गरीब और मजदूर विरोधी बताया है।
संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल और जयराम रमेश ने कहा कि नए कानून से रोजगार अब अधिकार नहीं रहेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार मनरेगा को अधिकार आधारित कानून से हटाकर पूरी तरह केंद्रीकृत योजना बनाना चाहती है। कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि यह कानून अदालत में भी चुनौती दी जाएगी।

पंचायतों के अधिकार पर खतरा

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि नए एक्ट से पंचायतों की भूमिका कमजोर होगी। मनरेगा के तहत काम, मजदूरी और योजना बनाने का अधिकार गांव स्तर पर था, लेकिन अब इसे केंद्र के नियंत्रण में लाया जा रहा है। पार्टी का दावा है कि इससे ग्रामीण मजदूरों को समय पर काम और भुगतान मिलने में दिक्कतें बढ़ेंगी।

इंडी गठबंधन से होगी चर्चा

इस सवाल पर कि क्या इंडी गठबंधन शासित राज्य नए कानून को लागू नहीं करेंगे, के.सी. वेणुगोपाल ने कहा कि सभी सहयोगी दलों से बातचीत की जाएगी। कांग्रेस का प्रयास रहेगा कि साझा रणनीति के तहत इस कानून का राजनीतिक और कानूनी विरोध किया जाए।

कैसे बना नया कानून?

विक्सित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन बिल यानी वीबी-जी राम-जी एक्ट को 18 दिसंबर को राज्यसभा में हंगामे के बीच पारित किया गया था। 21 दिसंबर को राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद यह कानून बना। यह कानून मौजूदा मनरेगा की जगह लेने की बात करता है और इसमें प्रति ग्रामीण परिवार 125 दिन रोजगार का प्रावधान रखा गया है।

गौरव गोगोई बोले-असम विधानसभा चुनाव 2026 दलों में नहीं, जनता और 'राजा' के बीच की लड़ाई है

गुवाहटी।असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने कहा कि 2026 के असम विधानसभा चुनाव अभूतपूर्व होंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि मुकाबला राजनीतिक दलों के बीच नहीं बल्कि असम की जनता और जिसे उन्होंने 'स्वयं को राजा समझने वाला' कहा, उसके बीच होगा। उन्होंने कहा कि जिस 'राजा' का वे जिक्र कर रहे हैं, उसकी पहचान जनता को सर्वविदित है। एक जनसभा को संबोधित करते हुए गोगोई ने कहा कि विपक्षी दल जनता के बीच व्याप्त आक्रोश और हताशा से अवगत हैं और इसलिए वे उनके साथ एकजुट होकर खड़े हैं।
गौरव गोगोई ने आरोप लगाया कि सत्ताधारी दल द्वारा वित्तीय प्रलोभनों, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और चुनावी कानूनों के कथित उल्लंघन के माध्यम से मतदाताओं को प्रभावित करने के प्रयासों के बावजूद, असम की जनता निर्णायक प्रतिक्रिया देगी। उन्होंने कहा कि असम की जनता एकजुट होकर देश को एक सशक्त संदेश देगी कि धन, बल, अहंकार, धमकियाँ और विभाजनकारी राजनीति जनता की गरिमा को कुचल नहीं सकती। उन्होंने आगे कहा कि असम की भूमि, विरासत,

संस्कृति, शांति और सामाजिक सद्भाव की रक्षा की जाएगी।
उन्होंने आगे कहा कि 2026 के चुनावों के परिणाम राष्ट्रीय महत्व के होंगे, जिनका पूरे देश पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा और अन्य राज्यों के लोग असम के सामूहिक रुख से सबक लेंगे। कांग्रेस नेता अमोलपत्ती नाट्य मंदिर सभागार में डिब्रूगढ़ जिला नागरिक सम्मेलन के तत्वावधान में आयोजित एक जनसभा में बोल रहे थे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विपक्षी दलों को लोकतंत्र और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होने के लिए प्रेरित करना था। गोगोई ने सत्ताधारी सरकार पर नागरिकों को लोकतंत्र में समान हितधारक मानने के बजाय उन्हें 'प्रजा' की तरह मानने का आरोप लगाया।
उन्होंने कहा कि सरकार विभिन्न तरीकों से नागरिकों के अधिकारों को छीन रही है। नागरिकों के प्रश्न पूछने, आलोचना करने और असहमति व्यक्त करने के अधिकारों को सीमित करने के प्रयास किए गए हैं। वर्तमान सरकार के अधीन नागरिकों को 'प्रजा' की तरह माना जा रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का दुरुपयोग लाभार्थियों को चुप कराने के लिए किया जा रहा है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने सरकारी कर्मचारियों के लिए नई सुनिश्चित पेंशन योजना की घोषणा की

तमिलनाडु में सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों की दो दशक पुरानी मांग को पूरा करते हुए मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शनिवार को एक नई योजना तमिलनाडु सुनिश्चित पेंशन योजना की घोषणा की, जो पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) के लाभ प्रदान करेगी।

सरकार ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों को मिले अंतिम वेतन का 50 प्रतिशत हिस्सा सुनिश्चित पेंशन के रूप में दिया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार कर्मचारियों के 10 प्रतिशत योगदान के साथ ही पेंशन फंड में जरूरी अतिरिक्त धनराशि देगी।

पश्चिम बंगाल चुनाव से पहले टीएमसी को झटका, मौसम नूर की कांग्रेस में वापसी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। टीएमसी की राज्यसभा सांसद मौसम नूर ने शनिवार को फिर से कांग्रेस का दामन थाम लिया। मौसम नूर का राज्यसभा कार्यकाल अप्रैल में समाप्त हो रहा है और उनके आगामी विधानसभा चुनाव में मालदा से चुनाव लड़ने की संभावना जताई जा रही है।
46 वर्षीय मौसम नूर इससे पहले 2009 से 2019 तक कांग्रेस के टिकट पर मालदा से दो बार लोकसभा सांसद रह चुकी हैं। शनिवार को उन्होंने कांग्रेस मुख्यालय में औपचारिक रूप से पार्टी की सदस्यता ली।
इस मौके पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश, एआईसीसी महासचिव गुलाम अहमद मीर और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार मौजूद रहे। सभी नेताओं ने मौसम नूर का पार्टी में

स्वागत किया और इसे पश्चिम बंगाल में कांग्रेस को मजबूती देने की दिशा में अहम कदम बताया। मौसम नूर की कांग्रेस में वापसी को मालदा समेत राज्य के उत्तर बंगाल क्षेत्र में राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित करने वाला घटनाक्रम माना जा रहा है।
कांग्रेस में शामिल होने पर क्या बोली मौसम?
उन्होंने कहा, मैं कांग्रेस पार्टी को फिर से उनके साथ काम करने का मौका देने के लिए धन्यवाद देती हूं... मैंने पहले ही तृणमूल कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है। मैंने अपना इस्तीफा तृणमूल कांग्रेस चेयरपर्सन ममता दीदी को सौंप दिया है और मैं सोमवार को राज्यसभा से भी इस्तीफा दे दूंगी। आज से मैं कांग्रेस में शामिल हो गई हूं और मैं पार्टी को मजबूत करने के लिए बहुत मेहनत करूंगी क्योंकि बंगाल के लोग, मालदा के लोग, कांग्रेस में विश्वास करते हैं, वे कांग्रेस की धर्मनिरपेक्षता, विकास और शांति की विचारधाराओं में विश्वास करते हैं।

कांग्रेस सांसद बोली- विनाश की राह पर पार्टी; टीवीके ने कहा- उनके कई नेता हमारे साथ...

चेन्नई। कांग्रेस की लोकसभा सांसद एस. ज्योतिमणि ने आरोप लगाया कि तमिलनाडु में कुछ नेताओं के स्वार्थ की वजह से उनकी पार्टी धीरे-धीरे विनाश के रास्ते पर बढ़ रही है और पार्टी के अंदरूनी झगड़े लोगों के लिए बहुत चिंता का कारण बन रहे हैं।
उन्होंने कहा कि तमिलनाडु कांग्रेस समिति (टीएनसीसी) उस राह पर चल रही है, जो सीधे पार्टी नेता राहुल गांधी की निस्वार्थ, सिद्धांतवादी और बेखौफ राजनीति के विपरीत है। ज्योतिमणि ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, हम उनके (राहुल गांधी) कठिन परिश्रम और अद्वितीय योगदान को धोखा नहीं दे सकते। हालांकि उन्होंने राज्य के किसी कांग्रेस नेता का नाम नहीं लिया।
तमिलनाडु कांग्रेस अध्यक्ष के सेल्वापेरुनथगई ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की। हालांकि, उनके करीबियों ने कहा कि ये आरोप सही नहीं हैं। ज्योतिमणि ने आरोप लगाया, कोई भी राजनीतिक दल यह सोच भी नहीं सकता कि चुनाव नजदीक आते ही उसके सांसद मतदान केंद्र एजेंटों की सूची जमा करने में बाधा डालें। हालांकि, कांग्रेस पार्टी में यह हो रहा है।
तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव इस साल मार्च-अप्रैल में होना है। ज्योतिमणि ने कहा कि तमिलनाडु कांग्रेस हर दिन खबरों में रहती हैं, लेकिन लोगों की समस्याओं के लिए नहीं बल्कि 'गलत कारणों' की वजह से। उन्होंने कहा कि राजनीतिक गतिविधियों और वैचारिक सिद्धांतों को कमजोर करने की कोशिशें चिंताजनक हैं।

अजित पवार का भाजपा पर हमला जारी, अब पुणे को लेकर की बीजेपी की आलोचना

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पुणे। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और एनसीपी प्रमुख अजित पवार ने शनिवार (03 जनवरी) को पुणे में 'विकास की कमी' के लिए भाजपा के स्थानीय नेतृत्व को दोषी ठहराया और राज्य के दूसरे सबसे बड़े शहर के लोगों से 15 जनवरी को होने वाले नगर निगम चुनावों में उनकी पार्टी को मौका देने की अपील की। यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पवार ने कहा कि पुणे नगर निगम के पास पर्याप्त संसाधन होने के बावजूद समस्याएं बढ़ गई हैं।

पुणे नगर निगम में विकास का दावा

अजित पवार ने कहा, 'पुणे नगर निगम राज्य के सबसे बड़े नगर निगमों में से एक है। हालांकि, नागरिकों को पर्याप्त नागरिक सुविधाएं नहीं मिली हैं। यातायात की समस्या आज भी बनी हुई है। हम (एनसीपी) नगर निगम क्षेत्र में विकास सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करते रहेंगे।'

उन्होंने आगे कहा कि, 'टॉमटॉम के यातायात सर्वे के अनुसार, पुणे यातायात जाम के मामले में दुनिया के सबसे खराब शहरों में शुमार है और वैश्विक स्तर पर चौथे स्थान पर है। पुणे में मात्र 10 किलोमीटर की दूरी तय करने में लगभग 33 मिनट लगते हैं। शहर के कई इलाकों में यातायात जाम की समस्या है। कुछ क्षेत्रों में तो पुलों और फ्लाईओवरों को तोड़ना भी पड़ा।'

पवार ने दावा किया कि यातायात जाम के कारण नागरिकों का समय बर्बाद होता है, और इस समस्या के समाधान के लिए एक समर्पित प्राधिकरण की स्थापना की गई थी, लेकिन जब उन्होंने पालक मंत्री के रूप में इसकी समीक्षा की तो उन्हें पता चला कि कई नियोजित उपाय लागू नहीं किए गए थे।

भाजपा पर साधा निशाना, पीएमसी में कुप्रबंधन का आरोप

भाजपा को घेरते हुए पवार ने कहा, 'पीएमसी में कुप्रबंधन के कारण शहर का विकास पटरी से उतर गया है। पीएमसी अपने नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं और आराम मुहैया कराने में विफल रही है।' मालूम हो कि भाजपा ने 2017 से 2022 तक पीएमसी पर शासन किया, जिसके बाद नगर निकाय को सरकार द्वारा नियुक्त प्रशासक के अधीन कर दिया गया।

नवी मुंबई महानगरपालिका के निर्वाचन निर्णय अधिकारी को धमकाना गंभीर मामला - पुलिस थाने में मामला दर्ज

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नवी मुंबई महानगरपालिका की सार्वत्रिक चुनाव 2025-26 प्रक्रिया 15 जनवरी 2026 को संपन्न होने जा रही है। चुनाव संबंधी कार्यवाही पूरी तरह पारदर्शी ढंग से आठों निर्वाचन निर्णय अधिकारी कार्यालयों में जारी है। इसी क्रम में घनसोली निर्वाचन निर्णय अधिकारी तथा उपजिलाधिकारी श्रीमती कल्पना गोडे द्वारा निर्वाचन संबंधी कर्तव्यों का निर्वहन किए जाने के दौरान एक व्यक्ति द्वारा चुनाव प्रक्रिया में अवैध हस्तक्षेप, दबाव और धमकी देने तथा उनकी बदनामी करने जैसा गंभीर मामला सामने आया है। यह कृत्य चुनाव की आदर्श आचार संहिता (मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट) का स्पष्ट उल्लंघन है और इससे चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता, पारदर्शिता और पवित्रता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

प्रकरण की प्राथमिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि संबंधित व्यक्ति ने सीधे चुनाव कार्य में दबाव डालने का प्रयास किया, निर्वाचन निर्णय अधिकारी के निजी मोबाइल फोन और व्हाट्सऐप पर संपर्क कर धमकियाँ दीं तथा उनके विरुद्ध द्वेषपूर्ण और बदनामी करने वाली सामग्री सोशल मीडिया पर प्रसारित की।

इस संबंध में घनसोली विभाग की निर्वाचन निर्णय अधिकारी द्वारा पुलिस

थाने में दी गई शिकायत के आधार पर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध आपराधिक मामला दर्ज किया गया है और प्रकरण की आगे की कानूनी जांच जारी है।

इस मामले के संदर्भ में Navi Mumbai Municipal Corporation के निर्वाचन विभाग की ओर से स्पष्ट किया गया है कि नवी मुंबई महानगरपालिका की चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संचालित की जा रही है। निर्वाचन निर्णय अधिकारी या किसी भी चुनाव कर्मचारी पर दबाव डालने, धमकी देने, बदनामी करने अथवा उनके कार्य में हस्तक्षेप करने की किसी भी कोशिश को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे मामलों में कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

चुनाव प्रक्रिया एक संवैधानिक जिम्मेदारी है और इसके क्रियान्वयन के दौरान किसी भी प्रकार के अवैध कृत्य या अनियमितता को स्वीकार नहीं किया जाएगा। महानगरपालिका निर्वाचन विभाग की ओर से सभी नागरिकों, राजनीतिक दलों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से अपील की जाती है कि वे कानून का पालन करते हुए चुनाव प्रक्रिया को सुव्यवस्थित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में पूर्ण सहयोग करें।

'चुनाव आयोग को बंद कर देना चाहिए, अब उन्हें BJP ऑफिस से...', प्रियंका चतुर्वेदी ने लगाया धांधली का आरोप

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र निकाय चुनाव को लेकर प्रदेश में सियासी गर्मी जारी है. ऐसे में राजनेताओं के बीच शब्दों के तीर छोड़े जा रहे हैं. इस बीच उद्धव ठाकरे गुट की वरिष्ठ महिला नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने चुनाव में धांधली के आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग पर निशाना साधा है।

प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, 'महाराष्ट्र में चुनाव चोरी हो रहा है. राज्य चुनाव आयोग अंधा है. महाराष्ट्र के निकाय चुनाव में खुलेआम घांधली हो रही है. चुनाव आयोग को बंद कर देना चाहिए. चुनाव आयोग को अब बीजेपी ऑफिस से काम करना चाहिए।'

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर निकाय चुनाव में खुलेआम घमकी दे रहे हैं. प्रियंका ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल खड़े किए।

इंदौर की घटना पर क्या कहा?

इसके अलावा शिवसेना यूबीटी की महिला ने इंदौर में दूषित पानी से हुई लोगों की मौत के मामले में भी मध्य प्रदेश सरकार को घेरा है. उन्होंने कहा कि इंदौर की घटना देश को शर्मसार कर देने वाली घटना है.

प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि इंदौर की घटना पर सख्त से सख्त से कारवाई होना चाहिए. उन्होंने कहा कि एमपी में कफ सिरप से भी मौत हुई थी, इस बात को भी दबाने की कोशिश हुई थी।

स्वीप उपक्रम के तहत नवी मुंबई के विद्यार्थियों ने हस्तकला व रंगोली प्रदर्शनी से दिया मतदान का संदेश

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नवी मुंबई महानगरपालिका की आम चुनावों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से नागरिकों के बीच व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। महानगरपालिका आयुक्त तथा निर्वाचन अधिकारी डॉ. कैलास शिंदे के मार्गदर्शन में मतदाता जागरूकता एवं सहभाग कार्यक्रम प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत कई नवाचारी गतिविधियाँ शामिल की गई हैं।

स्वीप कार्यक्रम के तहत स्कूल व कॉलेज के विद्यार्थियों की सहभागिता से विभिन्न मतदान जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। इन गतिविधियों का उद्देश्य विद्यार्थियों की अंतर्निहित कलात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करना और उसी माध्यम से चुनाव में मतदान के अधिकार का संदेश समाज तक पहुँचाना है।

कोपरखैरणे सेक्टर-7 स्थित Navi Mumbai Municipal Corporation स्कूल क्रमांक 31 अपनी

रचनात्मक गतिविधियों के लिए जानी जाती है। 15 जनवरी 2026 को होने वाले नवी मुंबई महानगरपालिका आम चुनावों के संदर्भ में स्कूल की प्रधानाचार्या एवं शिक्षकों द्वारा हस्तकला और रंगोली कला को बढ़ावा देने हेतु विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

हस्तकला व रंगोली प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और कागज़ की थैलियाँ, पतंग जैसी अनुपयोगी (टाकाऊ) वस्तुओं से टिकाऊ वस्तुएँ तैयार कीं। साथ ही, आकर्षक रंगोलियों के माध्यम से मतदान का आह्वान करते हुए जनजागरूकता फैलाई। शिक्षा विभाग की उप आयुक्त श्रीमती संघरत्ना खिल्लारे तथा निर्वाचन संबंधी स्वीप कार्यक्रम के नोडल अधिकारी उप आयुक्त डॉ. अजय गडदे के मार्गदर्शन में, शिक्षा विस्तार अधिकारी श्रीमती सुलभा बारघरे की पहल पर यह उपक्रम प्रधानाचार्या व शिक्षकों के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

विशेष रूप से, कक्षा 9-10 के 230 विद्यार्थियों और कक्षा 8 के 110 विद्यार्थियों ने स्कूल परिसर में मतदान जागरूकता रैली निकालकर 100 प्रतिशत मतदान का आह्वान किया। 'मतदाता राजा जागो हो - लोकतंत्र का धागा हो', 'प्रत्येक मतदाता - लोकतंत्र का आधार', 'जिम्मेदारी से करें मतदान - संविधान का सम्मान रखें' जैसे नारों के साथ निकाली गई इस रैली में विद्यार्थियों के साथ उनके अभिभावकों ने भी उत्साह से भाग लिया। रैली के दौरान बाजार क्षेत्रों में दुकानदारों, ग्राहकों तथा सड़क पर मौजूद नागरिकों के बीच भी मतदान के प्रति जागरूकता फैलाई गई।

'अजित पवार की एनसीपी का शरद पवार से विलय हो', संजय राउत ने महायुति छोड़ने की दी सलाह

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र की सियासत में एक बार फिर बयानबाजी तेज हो गई है। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने अजित पवार की अगुवाई वाली एनसीपी को शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (एसपी) में विलय करने की सलाह दी है। राउत का कहना है कि जब पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ नगर निकाय चुनाव में दोनों गुट साथ आ गए हैं, तो फिर अलग-अलग राजनीतिक राह पर चलने का कोई औचित्य नहीं बचता।

राउत ने सवाल उठाया कि अगर अजित पवार भाजपा पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं, तो फिर वह महायुति सरकार में क्यों बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि अजित पवार को भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार छोड़कर शरद पवार के पास लौट आना चाहिए। राउत के मुताबिक, मौजूदा हालात यह संकेत दे रहे हैं कि अजित पवार की राजनीतिक दिशा बदल रही है।

भ्रष्टाचार के आरोपों पर सियासी टकराव

संजय राउत ने कहा कि अजित पवार और भाजपा एक-दूसरे पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं। ऐसे में दोनों का एक ही सरकार में होना जनता को भ्रमित करता है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जब आरोप इतने गंभीर हैं, तो सत्ता में साथ बने रहना समझ से परे है।

पुणे-पिंपरी चुनाव में साथ

राउत ने इस बात पर जोर दिया कि पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम चुनाव में एनसीपी और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) का साथ आना राजनीतिक संकेत है। उन्होंने कहा कि यह गठबंधन दिखाता है कि दोनों धड़े एक साथ आ सकते हैं, फिर स्थायी समाधान क्यों नहीं।

पीसीएमसी को लेकर आरोप

अजित पवार ने हाल ही में पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। उन्होंने दावा किया कि बीते नौ वर्षों में निगम को कर्ज में धकेल दिया गया। इस बयान को लेकर भी राउत ने सवाल उठाया कि जब भाजपा इस निगम को चला रही थी, तब ये हालात कैसे बने।

टिकट और आपराधिक पृष्ठभूमि का मुद्दा

नगर निकाय चुनाव में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों को टिकट देने पर भी विवाद हुआ। अजित पवार ने इसे यह कहते हुए सही ठहराया कि जब तक दोष साबित न हो, कोई अपराधी नहीं होता। उन्होंने अपने ऊपर लगे सिंचाई घोटाले के आरोपों का भी हवाला दिया।

नामांकन के बाद 453 उम्मीदवारों ने वापस लिए नाम, अब मैदान में 1729 प्रत्याशी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनाव 2025-26 में नामांकन प्रक्रिया समाप्त हो चुकी हैं. शुक्रवार 2 जनवरी को नाम वापस लेने की अंतिम तारीख थी. जिसमें कुल 453 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र वापस ले लिए. इसके बाद अब चुनाव के मैदान में कुल 1,729 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमाएंगे। बीएमसी जनसंपर्क विभाग के अनुसार शनिवार 3 जनवरी 2026 को सुबह 11 बजे से उम्मीदवारों को चुनाव चिन्हों का आवंटन किया जाएगा. चुनाव चिन्ह आवंटित करने के बाद उम्मीदवारों की अंतिम सूची भी शनिवार को ही प्रकाशित कर दी जाएगी।

1,729 उम्मीदवार चुनाव के मैदान में

बीएमसी द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक इस बार चुनावी प्रक्रिया में 23 से 30 दिसंबर 2025 के बीच 11,391 नामांकन पत्र वितरित किए गए. जिनमें से 31 दिसंबर अंतिम दिन तक 2,516 नामांकन दाखिल हुए. 31 दिसंबर 2025 को हुई जांच में 164

नामांकन अवैध पाए गए, जबकि 2,185 नामांकन वैध रहे।

2 जनवरी 2026 को उम्मीदवारों द्वारा नाम वापस लेने की अंतिम तारीख थी. सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक नामांकन वापसी की अवधि में 453 नामांकन वापस हुए. इस पूरी प्रक्रिया के बाद चुनाव के मैदान में अब 1,729 उम्मीदवार रह गए हैं. जो इस चुनाव में हिस्सा लेंगे. मुंबई के सभी 23 रिटर्निंग अफसरों के क्षेत्र में नामांकन प्रक्रिया शांतिपूर्वक तरीके से हुई. जिसके बाद अब चुनाव की स्थिति साफ़ हो गई है।

इस बार बीएमसी चुनाव में वोटिंग से पहले ही नोमिनेशन वापस लेने के आखिरी दिन पाँच सीटों पर बीजेपी के पांच प्रत्याशी निर्विरोध चुन लिए गए हैं. जो भाजपा के लिए बड़ी जीत के तौर पर देखा जा रहा है। चुनाव में नामांकन प्रक्रिया संपन्न होने के बाद अब सभी राजनीतिक दलों का चुनाव प्रचार और तेज हो जाएगा.

बेलापुर चुनाव अधिकारी के ऑफिस में SWEEP के तहत वोटिंग शपथ और जागरूकता अभियान

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नवी मुंबई नगर निगम चुनाव में वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने के लिए SWEEP प्रोग्राम के तहत कई गतिविधियां की जा रही हैं और सभी डिपार्टमेंट ऑफिस के साथ-साथ चुनाव अधिकारी के ऑफिस और नगर निगम हेडक्वार्टर जैसी व्यस्त जगहों पर वोटिंग जागरूकता सिग्नेचर बोर्ड लगाए गए हैं। इनमें से, बेलापुर डिवीजन की चुनाव अधिकारी, प्रीति पाटिल ने बेलापुर डिवीजन ऑफिस बिल्डिंग में चुनाव अधिकारी के ऑफिस में लगाए गए सिग्नेचर बोर्ड पर साइन किए और वोटिंग सिग्नेचर अभियान में अपनी भागीदारी दर्ज कराई।

इस मौके पर, चुनाव से जुड़े SWEEP प्रोग्राम के नोडल ऑफिसर, डॉ. अजय गाडे, असिस्टेंट चुनाव अधिकारी और तहसीलदार श्री अमित पुरी, असिस्टेंट

कमिश्नर और बेलापुर डिवीजन ऑफिसर श्री प्रशांत नेरकर, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर श्री मदन वाघचौडे और अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी साइन करके अपनी भागीदारी दर्ज कराई। इस समय, मौजूद लोगों ने मिलकर वोटिंग शपथ ली और 15 जनवरी को नगर निगम चुनाव में वोट देने की कसम खाई।

पश्चिम रेलवे

सीनियर डिविजनल कमर्शियल - मैनेजर, मुंबई सेंट्रल डिवीजन, पश्चिमी रेलवे
डिविजनल रेलवे मैनेजर, कमर्शियल डिपार्टमेंट, NFR सेक्शन, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400 008।

काम - मुंबई डिवीजन में विभिन्न NFR मीडिया के माध्यम से विज्ञापन प्रदर्शित करना।

नीलामी कैटलॉग नंबर	नीलामी शुरू (सभी लॉट)
MMCT-ADVTH25-01	22-01-26 15:00:00

अ. क्र.	लॉट नं0	स्थान / क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी बंद होने की तारीख और समय
1	HyB-OnB-99674-25-1 (Hybrid NFR - On-board Hybrid)	मुंबई डिवीज़न, वेस्टर्न रेलवे की चुनी हुई मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के रिज़र्व कोच में विज्ञापन वाले लिनन कवर बैग की खरीद और सप्लाई के लिए 03 साल की अवधि का कॉन्ट्रैक्ट।	1096	22-01-26 15:30:00

नीलामी कैटलॉग नंबर	नीलामी शुरू (सभी लॉट)
MMCT-ADVT-25-67	22-01-26 15:00:00

अ. क्र.	लॉट नं0	स्थान / क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी बंद होने की तारीख और समय
1	ADVT-BCT-VGN-OSN-464-25-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	वांगगांव (VGN) स्टेशन पर 3 साल की अवधि के लिए बल्क विज्ञापन अधिकार।	1096	22-01-26 15:30:00
2	ADVT-BCT-UOI-OSN-182-24-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	उमरोली (UOI) स्टेशन पर 3 साल की अवधि के लिए बल्क विज्ञापन अधिकार।	1096	22-01-26 15:40:00
3	ADVT-BCT-CCG-OSD-465-25-1 (Advertising - On Station Premise (Digital))	चर्चगेट (CCG) स्टेशन, नॉन-टिकटिंग एरिया में 5 साल की अवधि के लिए बल्क विज्ञापन अधिकार।	1826	22-01-26 15:50:00
4	ADVT-BCT-NSP-OH-351-25-2 (Advertising - Out of Home)	नालासोपारा में नए होर्डिंग ढाँचों के निर्माण के माध्यम से विज्ञापन प्रदर्शित करने हेतु बल्क विज्ञापन अधिकार प्रदान किए जाने का प्रस्ताव है। इसके अंतर्गत नालासोपारा स्टेशन के उत्तर-पूर्वी परिसंचरण क्षेत्र में, जो टिकट बुकिंग कार्यालय के कतार क्षेत्र से सटा हुआ है, 20 फीट × 10 फीट आकार के कुल तीन नए होर्डिंग स्थापित किए जाएंगे। इन सभी होर्डिंगों का कुल विज्ञापन क्षेत्रफल 600 वर्ग फुट होगा। उक्त स्थानों पर विज्ञापन प्रदर्शित करने का यह अधिकार सात वर्षों की अवधि के लिए मान्य रहेगा।	2557	22-01-26 16:00:00

संपर्क के लिए लैंडलाइन नंबर 022-67644212 पर संपर्क किया जा सकता है तथा ई-मेल आईडी acmadvtgbct@gmail.com है। इच्छुक बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट पर उपलब्ध ई-ऑक्शन लीज़िंग मॉड्यूल (www.ireps.gov.in) अवश्य देखें। वहाँ उल्लिखित कैटलॉग के अंतर्गत लॉट-वार सभी विवरण उपलब्ध हैं।

0970

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

विभिन्न कार्य

चीफ वर्कशॉप मैनेजर, कैरिज रिपेयर वर्कशॉप, वेस्टर्न रेलवे, एन. एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल, मुंबई 400013, टेंडर नोटिस नंबर: WR-PL-ME-EST-681226-A, तारीख: 31.12.2025 आमंत्रित करते हैं। **काम का नामः** लोअर परेल वर्कशॉप में POH के दौरान छण्इ और LHB कोच की सीटों और बर्थ की स्ट्रिपिंग, फ्रेम की मरम्मत, री-कुशनिंग, फिटमेंट, अनलोडिंग/लोडिंग और ट्रांसपोर्टेशन। **विज्ञापित लागतः** 2,65,65,609.04. **EMD:** 2,82,800/-. **ई-टेंडर ऑनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि और समयः** 24.01.2026 को 13:00 बजे तक। **ई-टेंडर खोलने का समयः** 24.01.2026 को 13:00 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 0968

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

खराब काम की मरम्मत, बदलाव

डिविज़नल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर (रोलिंग स्टॉक), EMU कारशेड, विरार, मुंबई सेंट्रल डिवीज़न, मुंबई - 401303, ई-टेंडर नोटिस नंबरः DRM-RS-2025-26-01-VR, तारीखः 29.12.2025 जारी करते हैं। **काम का नामः** EMU कारशेड विरार में अलग-अलग जगहों पर 2 साल की अवधि के लिए SOR और काम के दायरे के अनुसार 'स्प्लिट AC (2.0 TR क्षमता) और वाटर कूलर क्षमता- 40/80 लीटर' के खराब हिस्सों की मरम्मत, बदलाव और सफाई, रखरखाव। **काम की अनुमानित लागतः** 2,62,504.29/- (सभी शामिल)। EMD: 5,300/-। **जमा करने की तारीख और समयः** 27.01.2026 तक, 15:00 बजे। खोलने की तारीख और समयः 27.01.2026 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 0966

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले का स्मारक असमानता के विरुद्ध संघर्ष के लिए करेगा प्रेरित– मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

सातारा। क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले की स्मृति में नायगांव में बनने वाला स्मारक उनके महान कार्यों की निरंतर याद दिलाएगा। यह स्मारक न केवल संघर्ष के लिए प्रेरणा देगा, बल्कि समाज में व्याप्त असमानताओं के विरुद्ध क्रांति के बीज भी बोएगा, ऐसा विश्वास मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने व्यक्त किया। उन्होंने यह भी कहा कि यहाँ स्थापित किए जाने वाले महिला प्रशिक्षण केंद्र में महिलाओं को सक्षम और सशक्त बनाने के लिए आवश्यक सभी प्रकार का प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री फडणवीस नायगांव (तालुका खंडाला) में आयोजित क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले की 195वीं जयंती समारोह में बोल रहे थे। इस अवसर पर 143 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित किए जाने वाले सावित्रीबाई फुले स्मारक तथा महिला प्रशिक्षण केंद्र का भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम में विधान परिषद के सभापति प्रो. राम शिंदे, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल, पालक मंत्री शंभूराज देसाई, ग्रामीण विकास मंत्री जयकुमार गोरे, राहत एवं पुनर्वसन मंत्री मकरंद पाटील, राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकणकर, विधायक डॉ. अतुल भोसले, मनोज घोरपड़े, सचिन पाटील, ग्रामीण विकास विभाग के प्रधान सचिव एकनाथ दवले, नायगांव की सरपंच स्वाती जमदाडे सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि महाराष्ट्र और देश में महिलाओं की शिक्षा की शुरुआत

करने वाली तथा महिलाओं को गुलामी की बेड़ियों से मुक्त कराने वाली क्रांतिकारी सावित्रीबाई फुले का स्मारक अत्यंत प्रेरणादायी होगा। महात्मा फुले और सावित्रीबाई फुले ने समाज में व्याप्त कुरीतियों के विरुद्ध क्रांति का शंखनाद किया और समानता पर आधारित सामाजिक व्यवस्था की नींव रखी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रूढ़ियाँ, असमानता और जातिवाद सामाजिक तथा आर्थिक गुलामी को जन्म देते हैं। उस समय महिलाओं को शिक्षा का अधिकार नहीं था और विधवाओं को संपत्ति का अधिकार भी प्राप्त नहीं था। ऐसे हालात में सावित्रीबाई फुले ने समाज की परंपराओं के विरुद्ध विद्रोह कर लड़कियों के लिए पहला विद्यालय शुरू किया और महिलाओं को शिक्षा का अधिकार दिलाने का कार्य किया। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार महात्मा फुले और सावित्रीबाई फुले के विचारों के मार्ग पर चल रही है। 'लाड़की बहन' योजना के अंतर्गत महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाने के उद्देश्य से अब तक 50 लाख लखपति दीदियाँ बनाई जा चुकी हैं और इस वर्ष यह संख्या एक करोड़ तक पहुँचने का विश्वास भी उन्होंने व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सातारा जिले में डेढ़ लाख लखपति दीदियाँ बनने पर उन्हें विशेष प्रसन्नता है। उन्होंने बताया कि आरन में संत सावता माली का स्मारक भी भव्य और दिव्य रूप में बनाया जाएगा तथा इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएँ की जा रही हैं।

इस अवसर पर नायगांव का नाम सावित्रीबाई फुले के नाम पर रखने की मांग भी की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामसभा द्वारा ऐसा प्रस्ताव पारित कर ग्रामीण विकास विभाग के माध्यम से भेजे जाने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने कहा कि वर्ष 1993 में नायगांव में सावित्रीबाई फुले के जन्मस्थल का पता चला था। इसके बाद जनसहयोग से उस घर और स्मारक का निर्माण किया गया। उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2027 में महात्मा फुले की 200वीं जयंती देशभर में मनाने की घोषणा की है, जिसके तहत मुंबई के कलीना क्षेत्र में एक अंतरराष्ट्रीय पुस्तकालय स्थापित करने का निर्णय लिया गया है।

ग्रामीण विकास मंत्री जयकुमार गोरे ने कहा कि सावित्रीबाई फुले के भव्य और दिव्य स्मारक के निर्माण की योजना को मंजूरी दे दी गई है और महिला प्रशिक्षण केंद्र के कार्य को भी शीघ्र गति दी जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि ग्रामीण विकास विभाग के माध्यम से महात्मा फुले के पैतृक गांव कटगुन में भी एक भव्य स्मारक बनाया जाएगा।

राहत एवं पुनर्वसन मंत्री मकरंद पाटील ने कहा कि उस दौर में समाज में शिक्षा का अभाव, अज्ञानता, भेदभाव और कुरीतियाँ व्याप्त थीं। ऐसे समय में सावित्रीबाई फुले ने लड़कियों के लिए पहला विद्यालय शुरू कर एक ऐतिहासिक क्रांति की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण महाराष्ट्र में भी क्रांतिज्योति के नाम के अनुरूप एक शिक्षा संकुल का निर्माण किया जाएगा।

कार्यक्रम में सरपंच स्वाती जमदाडे ने प्रस्तावना रखी। अतिथियों ने महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी एवं विक्रय कक्षों का अवलोकन किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक राम सटपुते, बलिराम सीरस्कार, जिला कलेक्टर संतोष पाटील, जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी यशनी नागराजन, पुलिस अधीक्षक तुषार दोशी सहित अन्य मान्यवर उपस्थित थे।

लातूर महानगरपालिका चुनाव से पहले ढ्ढ में बगावत, पार्टी के खिलाफ 22 उम्मीदवारों ने ठोकी ताल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के लातूर शहर में महानगरपालिका चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी के भीतर मचा असंतोष अब खुली बगावत में बदलता नजर आ रहा है. टिकट वितरण को लेकर नाराज निष्ठावान कार्यकर्ताओं ने पार्टी लाइन से हटकर चुनावी मैदान में उतरने का बड़ा फैसला लिया है. इससे शहर की सियासत गरमा गई है और भाजपा की रणनीति पर भी सवाल उठने लगे हैं.

टिकट बंटवारे से भड़के पुराने कार्यकर्ता

बीजेपी से जुड़े पुराने और समर्पित कार्यकर्ताओं का आरोप है कि इस बार टिकट वितरण में उनके साथ अन्याय हुआ. उनका कहना है कि वर्षों से संगठन की सेवा करने वाले लोगों को दरकिनार कर बाहरी दलों से आए 'आयाराम-गयाराम' नेताओं को तरजीह दी गई.

कार्यकर्ताओं के मुताबिक जनसंघ काल से पार्टी को खड़ा करने वाले पुराने और समर्पित कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज किया गया. कार्यकर्ताओं का कहना है कि 'हम ही असली भाजपाई हैं', लेकिन बावजूद इसके उन्हें टिकट से वंचित रखा गया.

नमो आघाड़ी के बैनर तले 22 उम्मीदवार मैदान में

टिकट न मिलने से खफा 22 भाजपाई कार्यकर्ताओं ने 'नमो आघाड़ी' के नाम से अलग मोर्चा बनाकर अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं. यह कदम भाजपा के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि ये सभी उम्मीदवार पार्टी की ही विचारधारा से जुड़े बताए जा रहे हैं. इससे वोटों के बंटवारे की आशंका भी बढ़ गई है.

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि इस आंतरिक बगावत का सीधा असर चुनावी नतीजों पर पड़ सकता है. एक ही विचारधारा के उम्मीदवार आमने-सामने होने से भाजपा को नुकसान उठाना पड़ सकता है. वहीं विरोधी दल इस स्थिति को अपने पक्ष में भुनाने की कोशिश कर सकते हैं.

नमो आघाड़ी के मैदान में उतरने से लातूर महानगरपालिका चुनाव और भी दिलचस्प हो गया है. अब देखना यह होगा कि भाजपा नेतृत्व इस बगावत को कैसे संभालता है और क्या नाराज कार्यकर्ताओं को मनाने की कोई पहल होती है. फिलहाल, लातूर की राजनीति में उबाल साफ दिखाई दे रहा है.

12 साल के बच्चे को 2 महीने तक जंजीर में बांधकर रखा, ऐसा अत्याचार क्यों करते थे मजदूर मां-बाप?

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. 12 साल के बच्चे को लोहे की जंजीरों से बांधकर रखा जाता था. दिहाड़ी मजदूर माता-पिता हर सुबह बेटे को लोहे की जंजीरों से बांधकर ताला लगाकर काम पर चले जाते थे. 'सभ्यता' सिखाने के नाम पर दक्षिण नागपुर के इस दिहाड़ी मजदूर दंपति ने अपने बच्चे पर लगभग 2 महीने तक इस तरह 'अत्याचार' किया.

बेटा बहुत बिगड़ गया था. वह सबके साथ बुरा व्यवहार करता था. उसे 'सही सबक' सिखाने के लिए माता-पिता ने एक भयानक फैसला लिया.

नाबालिग के हाथ-पैरों पर चोट के निशान

स्थानीय निवासियों ने सबसे पहले इस बात पर ध्यान दिया. उन्होंने जिला महिला और बाल विकास विभाग को सूचित किया. पुलिस और उस विभाग के अधिकारी जब बच्चे के घर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि बच्चा घर के अंदर बैठा है. उसके पैर में लोहे की जंजीर और ताला लगा हुआ था, ताकि वह किसी भी तरह से खुल न सके. नाबालिग के हाथ-पैरों पर चोट के निशान थे. बच्चा डर और दहशत से कांप रहा था. खबर है कि उसे बचाकर सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया है.

माता-पिता के खिलाफ मामला दर्ज

बच्चे के माता-पिता का आरोप है कि उनका 12 साल का बेटा स्कूल छोड़ चुका था. वह बहुत शरारती हो गया था. वह बिल्कुल भी माता-पिता की बात नहीं सुनता था. वह अक्सर घर से भाग जाता था. वह दूसरों के मोबाइल चुराकर लाता था. बच्चे के माता-पिता ने बताया कि उन्होंने बेटे को सुधारने के लिए ऐसा कड़ा फैसला लिया था. लेकिन लोहे की जंजीरों, ताले से हाथ-पैर बांधकर 2 महीने तक घर में बंद रखना? यह कैसा अनुशासन है? जुवेनाइल जस्टिस एक्ट के तहत बच्चे के माता-पिता के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है. वहीं, बच्चे को बाल कल्याण समिति के पास भेजा गया है. वह सुरक्षित स्थान पर है. यहां उसका काउंसलिंग चल रहा है.

इस अत्याचार का बच्चे के मन पर गहरा असर पड़ा

सूत्रों के मुताबिक इससे पहले भी पुलिस को इस घटना की 2 बार सूचना दी गई थी, लेकिन उस समय उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की थी. इस बार स्थानीय निवासियों ने चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर फोन करके बच्चे की दुर्दशा के बारे में बताया. इसके बाद बचाव दल आया. तुरंत कार्रवाई भी की गई. लंबे समय से चल रहे इस अत्याचार का बच्चे के मन पर गहरा असर पड़ा है. इसलिए फिलहाल उसका काउंसलिंग चल रहा है. सोशल मीडिया पर इस घटना के वायरल होते ही नेटिजन्स ने अपना गुस्सा जाहिर किया है.

'दोनों युवराज की ट्रेनिंग कच्ची', शिंदे गुट का अमित और आदित्य ठाकरे पर तंज

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

बीएमसी चुनाव 2026 को लेकर मनसे और शिवसेना (यूबीटी) के युवराजों की ओर से मुंबईकरों के लिए किए गए वादों पर शिंदे गुट ने सवाल उठाए हैं. शिवसेना के महासचिव राहुल शेवाले ने कहा है कि जो बड़े-बड़े वादे किए गए हैं उसे MNS और यूबीटी कभी पूरा नहीं कर सकते हैं. दोनों युवराज की ट्रेनिंग कच्ची है. चुनाव के मद्देनजर अमित ठाकरे और आदित्य ठाकरे ने मुंबईकरों के लिए कई वादे किए हैं.

शिवसेना महासचिव राहुल शेवाले ने मीडिया से बातचीत में कहा, ''दोनों युवराजों ने जो मुंबई को लेकर अपना विजन रखा है वो कभी पूरा नहीं हो सकता है. मुंबई कॉरपोरेशन एक्ट 188 के अनुसार मुंबई महानगरपालिका को जो अधिकार है, उसके अनुसार जिसकी राज्य में सरकार है और केंद्र में सरकार है वही वो काम कर सकते हैं. जो पार्टी सरकार में नहीं है वो उसे पूरा नहीं कर सकती है.''

घरों को लेकर वादों का कोई कानूनी आधार नहीं- शेवाले

शेवाले ने जानकारी देते हुए आगे कहा, ''अमित ठाकरे और आदित्य ठाकरे की ओर से मुंबईकरों के घरों को लेकर दिए गए आश्वासन का कोई कानूनी

आधार नहीं है. मुंबई महानगरपालिका अधिनियम 1888 के तहत मुंबईकरों के लिए घर बनाने का कोई प्रावधान नहीं है. यह अधिकार राज्य सरकार के पास है. यदि कोई नीति बनानी हो तो नगर विकास विभाग की अनुमति जरूरी होती है, साथ ही विधानमंडल में बहुमत भी होना चाहिए.''

प्रॉपर्टी पर टैक्स माफी को लेकर क्या कहा?

उन्होंने ये भी कहा, ''सात सौ वर्ग फुट तक की संपत्तियों पर कर माफी देने का अधिकार नगर निगम के पास नहीं है, यह अधिकार नगर विकास विभाग का है. बेस्ट परिवहन विभाग घाटे में चल रहा है. मुंबई महानगरपालिका उसे आर्थिक सहायता देती है, लेकिन इसके लिए भी नगर विकास विभाग की मंजूरी जरूरी होती है.

100 यूनिट मुफ्त बिजली को लेकर क्या बोले शेवाले?

100 यूनिट मुफ्त बिजली देने की घोषणा पर शेवाले ने कहा कि इस संबंध में निर्णय लेने का अधिकार राज्य विद्युत नियामक आयोग के पास है, न कि मुंबई महानगरपालिका के पास. इसी तरह, नए मेडिकल कॉलेज स्थापित करने के लिए राज्य सरकार और नेशनल मेडिकल कमीशन की अनुमति अनिवार्य है.

'यूबीटी और MNS के लोगों ने हमेशा सरकारी योजना का किया विरोध'

राहुल शेवाले ने आगे कहा, ''शिवसेना (यूबीटी) और मनसे के लोग सरकारी योजना का हमेशा विरोध करते रहे है. लाडली बहन योजना का भी विरोध जताया था लेकिन सरकार ने यह योजना लागू की जिसका फायदा हमारी बहनों को हो रहा है और उन्हीं बहनों ने विरोधयों को उनकी असली जगह बताते हुए उन्हें घर बैठा दिया. मुंबई के लोग काफी समझदार हैं और वो झूठे वादों पर नहीं फसेंगे.''

नए साल पर शिरडी के साईं बाबा मंदिर में 23 करोड़ से ज्यादा का चढ़ावा, भक्तों ने सोना-चांदी-हीरे भी किए दान

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

शिरडी में नए साल के मौके पर लगभग 23.29 करोड़ रुपये का चढ़ावा आया. इसमें विदेशी करेंसी, सोना चांदी और हीरा सब कुछ भक्तों ने दान दिया.यह जानकारी संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोरक्ष गाडिलकर (आई.पी.एस.) ने दी.

शगाडिलकर ने बताया कि क्रिसमस की छुट्टियों,साल की विदाई और नए साल के स्वागत के दौरान दान पेटी से कुल 22 करोड़ 02 लाख 61 हजार 006 रुपये नकद, दान काउंटर के माध्यम से 3 करोड़ 22 लाख 43 हजार 388 रुपये, पी.आर. टोल पास के माध्यम से 2 करोड़ 42 लाख 60 हजार रुपये, डेबिट क्रेडिट कार्ड, ऑनलाइन दान, चेक/डीडी और मनीऑर्डर के माध्यम

से 10 करोड़ 18 लाख 86 हजार 955 रुपये और विभिन्न 26 देशों से विदेशी मुद्रा के माध्यम से 16 लाख 83 हजार 673 रुपये का दान मिला.

साथ ही, 36,38,610 रुपये का सोना (293.910 ग्राम) और 9,49,741 रुपये की चांदी (05 किलो 983 ग्राम) दान में मिली. साथ ही, नए साल के पहले दिन, श्री साईं बाबा के चरणों में एक आकर्षक नक्षिकम के साथ 655 ग्राम वजन का सोने-हीरे का मुकुट चढ़ाया गया. मुकुट का अनुमानित मूल्य लगभग 80 लाख रुपये है और इसमें लगभग 585 ग्राम शुद्ध सोना और लगभग 153 कैरेट कीमती हीरे लगे हैं.

6 लाख भक्तों ने खाया प्रसाद भोजन

इस तरह, विभिन्न स्रोतों से संस्थान को कुल लगभग 23 करोड़ 29,23,373 रुपये का दान मिला है. साथ ही, इस अवधि के दौरान, 06 लाख से अधिक साईं भक्तों ने श्री साईं प्रसादालय में निःशुल्क प्रसाद भोजन का लाभ उठाया. जबकि 1 लाख 09 हज़ार से ज़्यादा साईं भक्तों ने फ़ूड पैकेट का फ़ायदा उठाया है.

7 लाख से ज्यादा बंटे लड्डू प्रसाद के पैकेट

इसके साथ ही, 7 लाख 67 हज़ार 444 लड्डू प्रसाद पैकेट बिके हैं और 02 करोड़ 30 लाख 23 हज़ार 320 रुपये मिले हैं. इसके साथ ही, 5 लाख 76 हज़ार 400 साईं भक्तों ने मुफ़्त बूंदी प्रसाद पैकेट का फ़ायदा उठाया है.

यहां होगा दान का इस्तेमाल

गाडिलकर ने बताया कि श्री साईंबाबा संस्थान को मिले दान का इस्तेमाल श्री साईंबाबा अस्पताल और श्री साईनाथ अस्पताल, श्री साईं प्रसादालय में मुफ्त भोजन, संस्थान के अलग-अलग शिक्षण संस्थानों, बाहरी मरीजों के लिए चैरिटी, साईं भक्तों की सुविधा के लिए शुरू की जा रही अलग-अलग एक्टिविटी और अलग-अलग सामाजिक कामों के लिए किया जा रहा है.

पद्मश्री सुलेखकार अच्युत पालव का 15 जनवरी को मतदान करने की अपील

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

विश्व स्तर पर सुलेख (कैलिग्राफी) के क्षेत्र में लोकप्रिय एवं पद्मश्री से सम्मानित Achyut Palav ने नवी मुंबई का नागरिक होने पर गर्व व्यक्त करते हुए 15 जनवरी को होने वाले नवी मुंबई महानगरपालिका चुनाव में हर नागरिक से अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि वे अपने परिवार के साथ मतदान करेंगे और सभी नागरिकों को भी अवश्य मतदान करना चाहिए।

उन्होंने यह भी बताया कि इस बार पहली बार मल्टी-मेंबर वार्ड प्रणाली के तहत मतदान होगा। इसके अंतर्गत वार्ड क्रमांक 1 से 27 के मतदाताओं को A, B, C, D इन चार सीटों के लिए मतदान करना होगा, जबकि वार्ड क्रमांक 28 के मतदाताओं को A, B, C इन तीन सीटों के लिए मतदान करना होगा।

लोकतंत्र द्वारा दिए गए इस अधिकार का जिम्मेदारी से उपयोग करने का आह्वान करते हुए पद्मश्री अच्युत पालव ने सभी नागरिकों से उत्साहपूर्वक मतदान करने और लोकतंत्र के इस महोत्सव को मनाने की अपील की है।

'हम मुंबई में ममदानी नहीं होने देंगे, उमर खालिद के लिए...', BMC चुनाव के बीच बीजेपी नेता का बड़ा बयान

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में बीएमसी चुनाव से पहले सियासी बयानबाजी तेज हो गई है. इस बीच शनिवार को मुंबई बीजेपी अध्यक्ष अमित साटम ने बड़ा बयान दिया. उन्होंने कहा कि हम

मुंबई को न्यूयॉर्क नहीं होने देंगे. साटम ने कहा कि हम मुंबई में जोहरान ममदानी नहीं होने देंगे. अमित साटम ने कार्यक्रम में भाषण के दौरान कहा, 'अगर इस उमर खालिद के लिए जोहरान ममदानी चिंता व्यक्त करने वाला है, तो यह एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर की साजिश है. दुनिया के कुछ अंतर्राष्ट्रीय शहरों को जिहादी, आतंकवादी और इस्लामिक कट्टरपंथी तत्वों ने अपने कब्ज़े में रखने के लिए एक साज़िश रची है. उन्होंने आगे कहा, 'इसीलिए हम देखते हैं कि दुनिया के कुछ अंतर्राष्ट्रीय शहरों का रंग कैसे बदल गया है। और इसी प्रकार की साजिश मुंबई शहर में भी हो रही है।

महाराष्ट्र के पूर्व एमएलसी डॉ. अशोक गजानन मोडक का निधन, सोवियत अध्ययन के थे विशेषज्ञ

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र विधान परिषद के पूर्व सदस्य और जाने-माने शिक्षाविद् डॉ. अशोक गजानन मोडक का देर रात निधन हो गया. वह 85 वर्ष के थे और पिछले कुछ समय से उम्र से जुड़ी बीमारियों से जूझ रहे थे. उन्होंने मुंबई के पवई स्थित एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली. उनके निधन की जानकारी उनके बेटे आशीष मोडक ने दी.

डॉ. अशोक मोडक के परिवार में उनकी पत्नी, एक बेटा और एक बेटी हैं. उनके निधन से राजनीतिक, शैक्षणिक और सामाजिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई है. कई नेताओं, शिक्षाविदों और सामाजिक संगठनों ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है.

शिक्षाविद् और सोवियत अध्ययन के विशेषज्ञ थे डॉ. मोडक

जानकारी के अनुसार, डॉ. मोडक एक प्रख्यात शिक्षाविद् और सोवियत अध्ययन के विशेषज्ञ थे. उन्होंने अपने जीवन में शिक्षा और शोध के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया. उन्होंने 40 से अधिक पुस्तकें लिखीं और 120 से ज्यादा शोध पत्र प्रकाशित किए, जो आज भी छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए उपयोगी माने जाते हैं.

राजनीतिक जीवन की बात करें तो डॉ. मोडक ने वर्ष 1994 से 2006 तक महाराष्ट्र विधान परिषद में कोंकण स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया. 12 वर्षों के कार्यकाल में वह अपने क्षेत्र के विकास के लिए पूरी तरह समर्पित रहे. खासकर दूरदराज के आदिवासी इलाकों में शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए उन्होंने विधान परिषद निधि का प्रभावी उपयोग किया.

संसदीय बहसों में उनके सार्थक और ज्ञानपूर्ण योगदान के लिए वर्ष 1997 में उन्हें 'सर्वश्रेष्ठ सांसद' पुरस्कार से सम्मानित किया गया था. डॉ. मोडक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के समर्पित स्वयंसेवक थे और उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में भी अपनी सेवाएं दीं. उनका जीवन शिक्षा, सेवा और विचारधारा के प्रति समर्पण का उदाहरण रहा है.

सम्पादकीय

उमर खालिद के समर्थन में उतर कर जोहरान मामदानी ने बड़ा खतरनाक खेल खेला है

न्यूयार्क के मेयर जोहरान मामदानी की ओर से भारत में तिहाड़ जेल में बंद उमर खालिद को भेजे गए एक पत्र ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नया विवाद खड़ा कर दिया है। हम आपको बता दें कि यह पत्र उमर खालिद के माता पिता से मुलाकात के दौरान दिया गया और इसमें मामदानी ने खालिद के विचारों की तारीफ करते हुए लिखा कि वे उनके बारे में सोच रहे हैं। उल्लेखनीय है कि उमर खालिद पर वर्ष 2020 के दिल्ली दंगों से जुड़े गंभीर आरोपों की सुनवाई चल रही है।

इस पत्र के सामने आने के बाद भारत में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली है। आलोचकों का कहना है कि किसी विदेशी शहर के मेयर द्वारा भारत के एक संवेदनशील कानूनी मामले में पक्ष लेना अनुचित है। खासकर तब, जब मामला दंगों और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा हो। हम आपको याद दिला दें कि उमर खालिद पर गैरकानूनी गतिविधि निरोधक कानून के तहत आरोप हैं और वह न्यायिक प्रक्रिया के अधीन है। ऐसे में किसी विदेशी जनप्रतिनिधि की ओर से सहानुभूति और प्रशंसा का सार्वजनिक संकेत कई सवाल खड़े करता है।

हम आपको बता दें कि मामदानी के पत्र को सिर्फ एक व्यक्तिगत संदेश नहीं माना जा रहा है बल्कि इसे एक राजनीतिक संकेत के रूप में देखा जा रहा है। भारत और अमेरिका के संबंधों के संदर्भ में भी इस कदम को असहज माना गया है। भारत में यह तर्क उभरा है कि यदि हर देश का स्थानीय नेता दूसरे देश के न्यायिक मामलों पर टिप्पणी करने लगे तो संप्रभुता और संस्थागत सम्मान पर आंच आएगी।

देखा जाये तो जोहरान मामदानी का यह कदम साफ तौर पर भारत के आंतरिक मामलों में दखल है। सवाल सीधा है। सवाल उठता है कि न्यूयार्क के मेयर को यह अधिकार किसने दिया कि वह भारत के दंगों से जुड़े एक आरोपी की तारीफ करे और उसे नैतिक समर्थन दे। मामदानी को समझना होगा कि भारत की न्याय व्यवस्था सक्षम है, संवैधानिक है और अपने फैसले खुद लेने में समर्थ है।

उमर खालिद कोई साधारण सामाजिक कार्यकर्ता नहीं है, बल्कि उस पर दिल्ली दंगों की साजिश में शामिल होने के गंभीर आरोप हैं। ऐसे व्यक्ति को वैश्विक मंच से नैतिक समर्थन देना न केवल भारत के लिए गलत है, बल्कि यह एक खतरनाक परंपरा को जन्म देता है। इससे यह संदेश जाता है कि दंगों और हिंसा से जुड़े आरोपों को वैचारिक खोल पहनाकर महिमामंडित किया जा सकता है। यह संदेश उन तत्वों के लिए संजीवनी का काम करता है जो अराजकता और टकराव की राजनीति में विश्वास रखते हैं।

मामदानी को यह समझना चाहिए था कि भारत का आंतरिक कानून और व्यवस्था किसी विदेशी राजनेता की राय का मोहताज नहीं। यदि उन्हें मानवाधिकार की इतनी ही चिंता है, तो उन्हें अपने देश में चल रही हिंसा, नस्लीय तनाव और अपराध की समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए। भारत में न्याय की प्रक्रिया अदालतों के माध्यम से चलती है, न कि सोशल संदेशों और पत्रों के जरिये।

इस तरह का समर्थन सिर्फ भारत में ही नहीं, अमेरिका में भी गलत असर डाल सकता है। जब वहां के नेता दंगों के आरोपी की तारीफ करते हैं, तो यह वहां मौजूद कट्टर और हिंसक विचारधारा के लोगों का हौसला बढ़ाता है। वे इसे यह कहकर पेश कर सकते हैं कि उनके विचारों को वैश्विक मान्यता मिल रही है। यह लोकतंत्र के लिए घातक संकेत है। लोकतंत्र का अर्थ कानून का शासन है, न कि आरोपियों का महिमामंडन।

यह भी याद रखना जरूरी है कि भारत और अमेरिका दोनों ही लोकतांत्रिक देश हैं। लोकतंत्र की बुनियाद एक दूसरे की संस्थाओं के सम्मान पर टिकी होती है। जब कोई विदेशी नेता भारत की न्यायिक प्रक्रिया पर सवाल खड़े करता है या एक पक्ष को नैतिक ऊंचाई पर बैठाने की कोशिश करता है, तो यह आपसी विश्वास को चोट पहुंचाता है। यह न तो कूटनीतिक मर्यादा के अनुरूप है और न ही जिम्मेदार राजनीति का उदाहरण।

मामदानी का पत्र उन तमाम भारतीय नागरिकों की भावनाओं का भी अपमान है जिन्होंने दिल्ली दंगों में अपने परिजन खोए, जिनकी दुकाने जलीं और जिनका जीवन तबाह हुआ। उनके लिए दंगे कोई वैचारिक बहस नहीं, बल्कि एक कड़वी सच्चाई है। ऐसे में दंगों के मास्टरमाइंड की तारीफ करना घावों पर नमक छिड़कने जैसा है।

भारत को किसी से प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं कि वह लोकतांत्रिक है या न्यायप्रिय। यहां की अदालतें स्वतंत्र हैं और फैसले सबूतों के आधार पर होते हैं। यदि उमर खालिद निर्दोष है, तो वह अदालत से बरी होगा। यदि दोषी है, तो सजा पाएगा। इसमें किसी विदेशी मेयर के भावनात्मक पत्र की कोई भूमिका नहीं होनी चाहिए।

बहरहाल, इसमें कोई दो राय नहीं कि जोहरान मामदानी का यह कदम गैर जिम्मेदार, दखल देने वाला और भड़काऊ है। भारत के आंतरिक मामलों में इस तरह की बयानबाजी बंद होनी चाहिए। लोकतंत्र का सम्मान तभी संभव है, जब हर देश अपनी सीमाएं पहचाने और दूसरों की न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप से बचे। यही संतुलन वैश्विक शांति और आपसी सम्मान की असली कसौटी है।

बचपन को सुरक्षा चाहिए, बोझ नहीं: हमारी सामाजिक प्रतिस्पर्धा और बच्चों का स्वास्थ्य

डॉ. प्रियंका सौरभ

हाल ही में 10 साल के बच्चे की अचानक मौत की खबर सिर्फ़ एक दुखद घटना नहीं है, बल्कि यह हमारे समय की सबसे गंभीर सामाजिक विडंबनाओं में से एक का प्रतिबिंब है। डॉक्टरों द्वारा बताए गए संभावित कारण–नींद की कमी, बिना नाश्ते के स्कूल जाना, भारी स्कूल बैग, होमवर्क और परफॉर्मेंस का मानसिक दबाव, और समय पर पौष्टिक भोजन की कमी–एक ऐसे सिस्टम की ओर इशारा करते हैं जिसमें बचपन को लगातार कुचला जा रहा है। यह घटना हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या बच्चों को बेहतर भविष्य देने की कोशिश में हम उनसे उनका वर्तमान छीन रहे हैं।

आज का समाज उपलब्धि की अंधी दौड़ में फंसा हुआ है। माता-पिता, शिक्षक और संस्थान–सभी, किसी न किसी रूप में, प्रतिस्पर्धा को जीवन का मूल सिद्धांत मान चुके हैं। इस प्रतिस्पर्धा के सबसे कमज़ोर शिकार बच्चे हैं, जो अभी खेलने, सीखने और स्वाभाविक विकास की उम्र में हैं। चार या पाँच साल की उम्र में, जब बच्चा दुनिया को समझना शुरू ही करता है, तो उससे उम्मीद की जाती है कि वह समय पर उठे, तय सिलेबस पूरा करे, परीक्षाओं में टॉप करे, और तुरंत अपने भविष्य की दिशा तय करे। यह सोच न केवल अवैज्ञानिक है बल्कि अमानवीय भी है।

बाल मनोविज्ञान स्पष्ट रूप से कहता है कि बच्चे का दिमाग शुरुआती सालों में सबसे ज़्यादा लचीला और संवेदनशील होता है। इस दौरान डाला गया दबाव उनके व्यक्तित्व, आत्मविश्वास और स्वास्थ्य पर लंबे समय तक असर डालता है। नींद की कमी, तनाव और डर सीखने की प्रक्रिया को बाधित करते हैं। फिर भी, हम बच्चों को सुबह जगाते हैं, बिना नाश्ते के स्कूल भेजते हैं, और उनसे उम्मीद करते हैं कि वे पूरे दिन सक्रिय और केंद्रित रहें। यह उम्मीद

हकीकत से बहुत दूर है।

भारी स्कूल बैग सालों से चर्चा का विषय रहे हैं। सरकारी दिशानिर्देशों और अदालती आदेशों के बावजूद, छोटे बच्चे अभी भी अपने वजन से ज़्यादा बोझ अपने कंधों पर ढोते हुए देखे जाते हैं। यह सिर्फ़ एक शारीरिक समस्या नहीं है; यह एक मनोवैज्ञानिक संदेश भी देता है कि शिक्षा एक बोझ है, खुशी नहीं। जब शिक्षा बोझ बन जाती है, तो सीखने की बच्चे की स्वाभाविक जिज्ञासा धीरे-धीरे खत्म हो जाती है।

होमवर्क और परीक्षा का दबाव इस समस्या को और बढ़ा देता है। होमवर्क का मकसद क्लास में हुई पढ़ाई को मज़बूत करना और समझ को पक्का करना होना चाहिए, न कि बच्चे को डराना। हालांकि, व्यवहार में, होमवर्क अक्सर सज़ा का एक रूप बन जाता है। अधूरी डांट-फटकार, सज़ाएँ, और तुलनाएँ–ये सभी बच्चे के आत्म-सम्मान को कम करती हैं। सीखने के बजाय, वे गलतियों से डरने लगते हैं, और यह डर आखिरकार तनाव, चिंता और डिप्रेशन की ओर ले जाता है।

बच्चों के स्वास्थ्य में खाना और रोज़ाना की दिनचर्या भी अहम भूमिका निभाते हैं। स्कूल में समय पर और पौष्टिक खाना न मिलना, ठंडा लंच खाने के लिए मजबूर होना, और घर लौटते ही बिना आराम किए नहाने और पढ़ने का दबाव–ये सब बच्चे की शरीर की प्राकृतिक ज़रूरतों को नज़रअंदाज़ करते हैं। शरीर और दिमाग को आराम की ज़रूरत होती है। बिना आराम के लगातार काम करने से बच्चे की सहनशक्ति खत्म हो जाती है।

इतना ही ज़रूरी यह सवाल भी है कि हम अपने बच्चों से असल में क्या चाहते हैं। क्या हम चाहते हैं कि वे खुश, स्वस्थ और संवेदनशील इंसान बनें, या सिर्फ़ नंबर और टाइटल लाने वाली मशीनें? जब माता-पिता अपने बच्चों की तुलना दूसरों से करते हैं–'फलाने का बच्चा यह कर रहा है, तुम क्यों नहीं कर सकते?'–तो वे अनजाने में उनमें हीन भावना भर देते हैं। यह तुलना सामाजिक मुकाबले को जन्म देती है, जिसमें हर कोई आगे निकलने की कोशिश करता है, भले ही इसके लिए बच्चे को अपना बचपन ही क्यों न खोना पड़े।

शिक्षा प्रणाली को भी इस बारे में आत्म-मंथन करना चाहिए। स्कूल सिर्फ़ सिलेबस पूरा करने की फैक्ट्रियाँ नहीं हैं; वे समाज बनाने की प्रयोगशालाएँ हैं। अगर स्कूलों में खेलने, कला, बातचीत और क्रिएटिव गतिविधियों के लिए पर्याप्त जगह नहीं है, तो शिक्षा अधूरी है। शिक्षक सिर्फ़ बच्चों को ज्ञान देने वाले नहीं होते, बल्कि मार्गदर्शक और मेंटर भी होते हैं। अनुशासन के नाम पर डर का माहौल बनाना शिक्षा के मूल उद्देश्य के खिलाफ है।

नीति स्तर पर सरकार और प्रशासन की भूमिका भी बहुत ज़रूरी है। स्कूल बैग के वज़न, स्कूल के घंटे, होमवर्क की मात्रा और शुरुआती कक्षाओं में परीक्षा प्रणाली पर स्पष्ट और सख्त गाइडलाइन की ज़रूरत है। इन नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी निगरानी तंत्र भी होना चाहिए। नियमित स्वास्थ्य जाँच, काउंसलिंग सेवाएँ और पोषण कार्यक्रम बच्चों की शिक्षा का अभिन्न अंग बनने चाहिए।

माता-पिता के लिए सबसे बड़ा सवाल आत्म-चिंतन का है। अपनी खुद की शैक्षिक यात्रा को याद रखना ज़रूरी है–जब हमने स्कूल जाना शुरू किया, हमने कैसे सीखा, खेलने और दोस्ती के लिए कितनी जगह दी गई थी। क्या हम सच में आज के बच्चों से ज़्यादा काबिल थे, या हमारे पास सीखने के लिए ज़्यादा समय और आज़ादी थी? अगर हमने संघर्ष किया और आगे बढ़े, तो यह ज़रूरी नहीं कि हमारे बच्चे भी उसी रास्ते पर चलें। हर पीढ़ी की अपनी अलग चुनौतियाँ और ज़रूरतें होती हैं। यह समझना भी ज़रूरी है कि सफलता सिर्फ़ ऊँची पोस्ट या ज़्यादा सैलरी के बारे में नहीं है। सफलता में एक संतुलित, संवेदनशील और ज़िम्मेदार नागरिक बनना भी शामिल है।

चिल्लई कलां में भी, बगीचा सांस लेता है

औबैद अहमद अखून

कश्मीर की सर्दी सिर्फ़ मौसम बदलने की शुरुआत नहीं है, बल्कि लय और ज़िम्मेदारी का एक छोटा सा बदलाव है। जब चिल्लई कलां घाटी में आता है, तो ज़िंदगी बाहर की तरफ़ तो तेज़ हो जाती है, लेकिन अंदर ही अंदर गहराई में चली जाती है। घरों में तैयारियां शुरू हो जाती हैं, और किचन में बदलाव होने लगते हैं। और फिर, ज़ाहिर है, किचन गार्डन, जिसे आसानी से नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है, एक ऐसी जगह बन जाता है जहाँ दूर की सोच और ध्यान दोनों की ज़रूरत होती है। बर्फ़बारी और तबाही वाली ज़मीन के लिए दोनों की ज़रूरत होती है।

सर्दियों में फूलों वाले किचन गार्डन को बचाने के लिए गंभीर तैयारी और ध्यान से देखभाल की ज़रूरत होती है, लेकिन सबसे ज़्यादा, यह समझने की ज़रूरत है कि ऐसे पौधे ठंड पर कैसे रिएक्ट करते हैं। सर्दी साल का वह समय है जब पौधों की ग्रोथ धीमी हो जाती है और बर्फीले तापमान, ठंडी हवाओं, सुबह की ठंड और छोटे दिनों के कारण पौधों को नुकसान होने लगता है। सही तरीकों का सही इस्तेमाल आपके किचन गार्डन और फूलों को अगली बसंत तक हेल्दी हालत में रख सकता है।

सबसे पहले, आपको पौधों पर सर्दियों के असर के बारे में जानना होगा: कम धूप से फोटोसिंथेसिस रुक जाता है, ठंडी मिट्टी जड़ों की एक्टिविटी कम कर देती है, और पाला कोमल पत्तियों और कलियों को खत्म कर सकता है। ऊपर बताई गई बातों की जानकारी से पहले से ज़रूरी सावधानी बरतने में मदद मिलती है। सर्दियों की बागवानी के लिए ठंड झेलने वाले पौधों का चुनाव एक ज़रूरी बात है। कम तापमान में अच्छी

तरह उगने वाली सब्ज़ियाँ हैं पालक, मेथी, पत्तागोभी, फूलगोभी, गाजर, चुकंदर, हरी मटर और लेट्यूस। सर्दियों में अच्छे खिलने वाले फूलों में गेंदा, पेटुनिया, पैंसी, कैलेंडुला, गुलदाउदी और डहलिया शामिल हैं।

अगर आपके पास पहले से ही टमाटर, मिर्च, तुलसी, गुड़हल, चमेली और बोगनविलिया जैसे कोमल पौधे हैं, तो उन्हें सुरक्षा की ज़रूरत है। सबसे आसान तरीकों में से एक है गमलों में लगे पौधों को सुरक्षित जगहों पर ले जाना - धूप वाली खिड़कियाँ, बरामदे, बंद बालकनी या तेज़ हवाओं से सुरक्षित कोने। गमलों को दीवारों के पास रखने से मदद मिलती है क्योंकि दीवारें दिन में गर्मी सोखती हैं और रात में धीरे-धीरे छोड़ती हैं। जब पौधों को घर के अंदर लाना मुमकिन न हो, तो ज़्यादा गर्म माइक्रोक्लाइमेट बनाने के लिए कई गमलों को एक साथ रखें।

र्दियों में देखभाल के सबसे अच्छे तरीकों में से एक है मल्चिंग। मल्च का मतलब है मिट्टी पर फैली हुई चीज़ों की एक परत, जो जड़ों को ठंड से बचाती है। पुआल, सूखी पत्तियां, घास की कतरनें, नारियल की भूसी, लकड़ी की छीलन और कम्पोस्ट अच्छे से काम करते हैं। हर पौधे के चारों ओर फैली एक मोटी परत मिट्टी की पूरी सतह को ढक देती है। मल्चिंग मिट्टी को गर्म रखती है, इवैपोरेशन को रोकती है, खरपतवार को बढ़ने से रोकती है, और जड़ों को जमने से बचाती है–इससे आपके पौधों को सर्दी में बचने का बहुत अच्छा मौका मिलता है।

सर्दियों में पानी देने पर भी खास ध्यान देने की ज़रूरत होती है। क्योंकि इवैपोरेशन की दर कम होती है, इसलिए मिट्टी ज़्यादा देर तक गीली रहती है, और इसलिए पौधों को कम पानी की ज़रूरत होती है। ज़्यादा पानी देने से ठंडी और गीली मिट्टी में जड़ें सड़ जाती हैं। हमेशा अपनी उंगलियों से ऊपरी मिट्टी की जांच करें और तभी पानी दें जब वह सूखी लगे। सुबह जल्दी पानी दें ताकि रात का तापमान गिरने से पहले पौधों को नमी सोखने के लिए पूरा दिन मिल सके। कभी भी देर शाम को पानी न दें, क्योंकि ठंडी और गीली मिट्टी फंगल इंफेक्शन को बुलावा देती है। पाले से बचाव सर्दियों की देखभाल का एक और बहुत ज़रूरी हिस्सा है। यह आम तौर पर तब होता है जब रात का टेम्परेचर बहुत कम हो जाता है, और उस कम टेम्परेचर से पत्तियों पर बर्फ के क्रिस्टल बन जाते हैं जो कोमल पौधों को नुकसान पहुंचा सकते हैं या उन्हें मार सकते हैं। पौधों को हर रात कपड़े, जूट के बोरे, सूती चादरों या पाले से बचाने वाले कपड़े से बचाएं और सुबह उन्हें खोल दें ताकि दिन में धूप और हवा आ-जा सके। प्लास्टिक को सीधे पत्तियों पर नहीं रखना चाहिए, क्योंकि यह नमी को रोक लेगा और उन्हें और भी खराब कर देगा। आप बहुत ठंडे इलाकों में ट्रांसपेरेंट प्लास्टिक शीट का इस्तेमाल करके एक टेम्पररी ग्रीनहाउस या टनल भी बना सकते हैं।

सर्दियों में खाद कम से कम देनी चाहिए। क्योंकि ठंड के मौसम में पौधे बहुत धीरे-धीरे बढ़ते हैं, इसलिए उन्हें ज़्यादा खाद की ज़रूरत नहीं होती है। कम्पोस्ट, वर्मीकम्पोस्ट, या लिक्विड खाद जैसे हल्के ऑर्गेनिक खाद का इस्तेमाल हर तीन से चार हफ़्ते में एक बार किया जा सकता है। तेज़ केमिकल खाद सर्दियों में काम न करने वाली जड़ों को जला देती हैं। हल्की छंटाई भी काफी फायदेमंद होती है। सूखी पत्तियां, मुरझाए फूल और कमज़ोर तने हटा दें ताकि पौधा अपनी एनर्जी को हेल्दी रखने पर लगा सके। इससे हवा और धूप अंदर जाने में सुधार होता है, जिससे कीड़े और फंगल की समस्याएँ कम हो जाती हैं। सर्दियों में पुदीना, धनिया, ऑरेगेनो या थाइम जैसी इनडोर हर्ब्स को खास देखभाल की ज़रूरत होती है। इनडोर हर्ब्स को ऐसी जगहों पर लगाएं जहां खूब धूप आती ??हो और सही ग्रोथ के लिए उन्हें बीच-बीच में घुमाते रहें। उन्हें हीटर और रेडिएटर से दूर रखें; ऐसा इसलिए है क्योंकि सूखी, गर्म हवा पत्तियों को नुकसान पहुंचा सकती है। हवा का अच्छा सर्कुलेशन करें लेकिन पौधों को खिड़कियों और दरवाजों से आने वाली ठंडी हवाओं में न आने दें। अपने बगीचे को सर्दियों में रंगीन बनाए रखने के लिए ठंड झेलने वाली फूलों वाली किस्में लगाएं। इस मौसम में, गेंदा, पैंसी और कैलेंडुला जैसे सर्दियों में फूलने वाले पौधे रंगों से खिलेंगे, जिससे ज़रूरी पॉलिनेटर आकर्षित होंगे। फूलों को अच्छी ड्रेनेज वाली मिट्टी में लगाना सबसे अच्छा होता है।

वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले से उठा सवाल, क्या ट्रंप ने अंतरराष्ट्रीय कानूनों को ताक पर रख दिया है?

नीरज कुमार दुबे

अमेरिका ने वेनेजुएला पर सैन्य आक्रमण कर उसके राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को गिरफ्तार करने का दावा किया है। यह अंतरराष्ट्रीय जगत में एक संवेदनशील और ऐतिहासिक घटनाक्रम है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि अमेरिका ने वेनेजुएला के खिलाफ बड़े पैमाने पर हवाई और सैन्य हमले किये हैं। ट्रंप ने कहा है कि मादुरो और उनकी पत्नी को हिरासत में लिया गया है तथा देश से निकाल दिया गया है और वे अगली कानूनी प्रक्रिया के लिये अमेरिका ले जाये गये हैं। इस कार्रवाई को ट्रंप ने अपनी योजना के मुताबिक सफल बताया है तथा इसे वेनेजुएला में लोकतंत्र की बहाली की दिशा में एक निर्णायक कदम बताया है। हालांकि हमले के विवरण और ठोस प्रमाण अभी तक सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं कराये गये हैं।

वहीं वेनेजुएला सरकार ने इसे अमेरिकी सैन्य आक्रमण तथा आंतरिक संप्रभुता का उल्लंघन बताया है। साथ ही वेनेजुएला में राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा की गयी है तथा नागरिकों से व्यापक विरोध और प्रतिरोध की अपील की गयी है। इस बीच, विश्व समुदाय के कई देश इस घटना पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं, कुछ ने इसे कूटनीति की आवश्यकता बताया है जबकि रूस, चीन तथा अन्य ने कड़ी निंदा की है।

देखा जाये तो डोनाल्ड ट्रंप द्वारा वेनेजुएला पर की गयी सैन्य कार्रवाई तथा एक संप्रभु राष्ट्र के राष्ट्रपति की गिरफ्तारी का दावा विश्व व्यवस्था के लिये एक भयंकर झटका है। यह केवल एक सैन्य और राजनीतिक घटना नहीं है बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय कानून, कूटनीति और विश्वशांति के मूल सिद्धांतों पर सीधा प्रहार है। जब किसी देश का नेता बिना संयुक्त राष्ट्र के अनुरोध, बिना स्पष्ट अंतरराष्ट्रीय विधिक अधिकरण के निर्देश और बिना अन्तरराष्ट्रीय समुदाय की सहमति के किसी दूसरे देश में सैन्य हस्तक्षेप कर उसके सर्वोच्च नागरिक नेतृत्व को हटा देता है तो यह कृत्य न केवल उन मूलभूत मानकों का उल्लंघन है जिन पर आधुनिक विश्व राजनीति टिकी हुई है बल्कि यह नए वैश्विक संकटों के लिये एक मिसाल भी स्थापित करता है।

पहला सवाल यह है कि क्या ट्रंप का कदम जायज है? क्या ऐसा किसी भी न्यायिक या राजनीतिक मानक पर सही ठहराया जा सकता है? देखा जाये तो संप्रभुता किसी भी वैश्विक समझ का मूल आधार है और किसी भी देश की आंतरिक व्यवस्थाओं के प्रति बाहरी हस्तक्षेप को तभी वैध ठहराया जा सकता है जब वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के भीतर व्यापक बहुमत द्वारा

अनुमोदित हो या जब प्रत्यक्ष एवं सुनिश्चित मानवाधिकार संकट हो। नरसंहार या बड़े पैमाने पर युद्ध अपराध की स्थितियों में अंतरराष्ट्रीय समुदाय से ऐसी स्वीकृति मिल सकती है लेकिन वेनेजुएला में ऐसे कोई हालात नहीं थे। वेनेजुएला की परिस्थिति चाहे जितनी भी विवादास्पद और जटिल रही हो, अमेरिका का यह एकतरफा सैन्य निर्णय अंतरराष्ट्रीय क़ानून तथा संयुक्त राष्ट्र चार्टर के मूल सिद्धांतों के सीधे विपरीत है। इसे केवल एक देश के भीतर मानवीय संकट या राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के समाधान के रूप में पेश करना नास्तिकता के समान है। ट्रंप प्रशासन के पास यदि मादुरो के खिलाफ वाकई मजबूत सबूत थे तो उन्हें अंतरराष्ट्रीय न्यायालय या किसी बहुपक्षीय मंच पर प्रस्तुत किया जाना चाहिये था न कि अपने देश की सैन्य ताकत का उपयोग कर सीधे हस्तक्षेप करना चाहिए था।

दूसरा सवाल यह है कि क्या कूटनीति की दुनिया में इस कदम को उचित कहा जा सकता है? देखा जाये तो कूटनीति वैचारिक मतभेदों, राजनीतिक तनावों तथा सत्ता के संघर्षों को बातचीत, समझौते और मध्यस्थता के ज़रिये सुलझाने की कला है। कूटनीति कभी प्रत्यक्ष हिंसात्मक उपायों को प्रोत्साहित नहीं करती। यदि अमेरिका को वास्तव में वेनेजुएला की वर्तमान प्रणाली में विसंगतियाँ और समस्यायें दिखतीं थीं तो उसके लिये संयुक्त राष्ट्र, ओएएस या किसी अन्य बहुपक्षीय संगठन के साथ मिलकर दबाव बनाना अधिक न्यायोचित और प्रभावी विकल्प होता। इसलिए ट्रंप प्रशासन का यह कदम कूटनीति की भावना का उल्लंघन है और यह उन सभी प्रयासों को भी बेअसर करता है जो शांति, संयम और सामूहिक समाधान की ओर इंगित करते हैं। जब राजनयिक रास्ता खुला रहता है तो हवाई हमले, बमबारी और अस्थिरता फैलाने वाले कदम किसी भी सभ्य कूटनीतिक प्रणाली का अंग नहीं बन सकते।

अब तीसरा सवाल यह है कि आगे वेनेजुएला का क्या होगा? देखा जाये तो उस देश का एक अस्थिर भविष्य बेहद संभावित है। हिंसात्मक कार्रवाई के परिणामस्वरूप वेनेजुएला के भीतर सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिस्थितियाँ और भी भयावह हो सकती हैं। यह देश पहले ही आर्थिक मंदी, मुद्रास्फीति तथा सामाजिक असंतोष का शिकार है, ऐसे में एक बाहरी सैन्य हमले से जनता का मनोबल गिर सकता है, नागरिक प्रतिरोध भड़क सकता है तथा आंतरिक संघर्ष और अधिक गहरा हो सकता है। इसके अलावा यह कदम लैटिन अमेरिका में क्षेत्रीय स्थिरता को भी दहला सकता है और पड़ोसी देशों को संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबद्धता पर पुनर्विचार करने को मजबूर कर सकता है।

चौथा सवाल अंतरराष्ट्रीय सामरिक प्रभावों से संबंधित है। देखा जाये तो डोनाल्ड ट्रंप की यह नीति, वैश्विक सामरिक संतुलन पर लंबी अवधि में गंभीर प्रभाव डाल सकती है। ट्रंप द्वारा ईरान के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करते हुए धमकी देना और अब वेनेजुएला पर प्रत्यक्ष सैन्य हस्तक्षेप जैसे कदम यह संकेत देते हैं कि अमेरिका एक ऐसा वैश्विक प्रहरी बनने की इच्छा रखता है जो अपने हितों को थोपने के लिये सैन्य बल का उपयोग करता है यह विश्व को दोध्रुवीकृत कर सकता है। निश्चित ही यह सब अमेरिका की विरोधी शक्तियों को एकजुट करने का काम करेगा। रूस, चीन और अन्य राष्ट्र पहले ही अमेरिका के इस कदम की निंदा कर चुके हैं तथा इसे सामरिक आक्रमण बता रहे हैं। देखा जाये तो वैश्विक सुरक्षा तंत्र पहले से ही तनावों और विभाजनों से जूझ रहा है, ऐसे में एक प्रमुख सुपरपावर द्वारा एक संप्रभु राष्ट्र के खिलाफ हमला करना वैश्विक शासन और सहयोग के लिये एक गंभीर प्रश्न छोड़ता है।

देखा जाये तो अंतरराष्ट्रीय न्याय और मानवाधिकार का सम्मान केवल शब्दों में नहीं होना चाहिए बल्कि उसे कार्यनीतिक फैसलों और कार्रवाईयों में भी प्राथमिकता दी जानी चाहिये। एक अनियंत्रित और एकतरफा सैन्य कार्रवाई का समर्थन करना दीर्घकालीन वैश्विक स्थिरता, शांति तथा न्याय की भावना के खिलाफ होगा। ट्रंप के इस निर्णय ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मनमाने ढंग से सेना, हथियार तथा सैन्य बल की धमकी का प्रयोग अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और सहयोग को कमजोर करता है तथा विश्व समुदाय के विश्वास को तोड़ता है। इसलिए वर्तमान परिस्थिति में वैश्विक समुदाय को संयम, संवाद और न्यायिक प्रक्रिया की ओर लौटना चाहिए तभी हम एक बेहतर, अधिक सुरक्षित और अधिक न्यायसंगत विश्व की कल्पना कर सकते हैं।

गृह मंत्री अमित शाह का तमिलनाडु दौरा, सुरक्षा कारणों से ड्रोन उड़ाने पर लगा बैन

तिरुचिरापल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के 4 और 5 जनवरी को तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली जिले के दौरे के मद्देनजर, जिला प्रशासन ने सुरक्षा कारणों से ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। एक आधिकारिक घोषणा के अनुसार, रविवार और सोमवार (4 और 5 जनवरी) को तिरुचिरापल्ली जिले की सीमा के भीतर ड्रोन और अन्य मानवरहित हवाई वाहनों (यूएवी) का संचालन पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। जिला प्रशासन ने चेतावनी दी है कि प्रतिबंध का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों या संगठनों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। तिरुचिरापल्ली जिले के कलेक्टर वी. सरवनन, आईएएस ने कहा कि यह प्रतिबंध जनता और अतिथि की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लागू किया गया है।

जिला प्रशासन ने आम जनता और संगठनों से अपील की है कि वे प्रतिबंध की अवधि के दौरान सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करें और पूरा सहयोग दें। इससे पहले, शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में गृह मंत्रालय

की संसदीय परामर्श समिति की बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक अंडमान के वांडूर स्थित होटल सी-प्रिंसेस में हुई, जहां लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों के सांसदों ने गृह मंत्री के साथ मंत्रालय के कार्यक्षेत्र से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की।

गृह मंत्रालय की परामर्श समिति सांसदों और गृह मंत्री तथा राज्य मंत्रियों के बीच मंत्रालय की नीतियों, कार्यक्रमों और उनके कार्यान्वयन पर अनौपचारिक संवाद के लिए एक मंच का काम करती है। यह समिति एक सलाहकार निकाय के रूप में कार्य करती है, जो आंतरिक सुरक्षा, शासन, सीमा प्रबंधन, साइबर अपराध और आपराधिक न्याय सुधारों से संबंधित मुद्दों पर संवाद को सुगम बनाती है। समिति में 30 सांसद शामिल हैं, जिनमें 14 लोकसभा और 16 राज्यसभा के हैं। अमित शाह समिति के अध्यक्ष हैं।

गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय और बंदी संजय कुमार भी बैठक में शामिल हुए। बैठक के बाद, शाह श्री विजयपुरम स्थित आईटीएफ मैदान में नवीन न्याय संहिता पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। वे श्री विजयपुरम के नेताजी स्टेडियम में आयोजित एक समारोह में अंडमान और निकोबार प्रशासन की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी करेंगे। अमित शाह शुक्रवार शाम को दो दिवसीय दौरे के लिए अंडमान और निकोबार पहुंचे।

दो बच्चों को कुत्तों ने नोचकर किया घायल, मेडिकल कॉलेज में कराए गए भर्ती; एक की हालत नाजुक

बहराइच। यूपी के बहराइच में आवारा कुत्तों का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कुत्तों के हमले में एक साल की मासूम बच्ची समेत दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को परिजन एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। यहां उन्हें गंभीर हालत में इमरजेंसी के जिरियाट्रिक वार्ड में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। अचानक हुए इन हमलों से इलाके में दहशत का माहौल है। रिसिया थाना के शंकरपुर गांव निवासी श्रीदेवी की 10 वर्षीय बेटी पिंका शनिवार सुबह घर के आंगन में खड़ी थी, तभी एक कुत्ता घर में घुस आया और उस पर हमला कर दिया। शोर मचाने पर किसी तरह कुत्ता बच्ची को छोड़कर भागा गया। परिजन घायल बच्ची को तुरंत रिसिया सीएचसी ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे

मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। वहीं मोतीपुर के जुगुनिया गांव निवासी जोगेश चौहान ने बताया कि शुक्रवार सुबह उनकी एक वर्षीय बेटी महक घर के दरवाजे पर खेल रही थी। तभी एक आवारा कुत्ते ने अचानक उस पर हमला कर दिया। बच्ची की चीख सुनकर परिजन दौड़े और किसी तरह कुत्ते के जबड़े से उसे छुड़ाया। गंभीर हालत में बच्ची को पहले मिहींपुरवा सीएचसी ले जाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। दोनों घायल मासूमों का इलाज जारी है और उनकी हालत पर नजर रखी जा रही है। वहीं, लगातार हो रहे कुत्तों के हमलों से ग्रामीण इलाकों में लोगों में डर बढ़ गया है। जोगेश का कहना है कि प्रशासन को आवारा कुत्तों को काबू में करने के लिए अभियान चलाना चाहिए, ताकि आमजन खासकर बच्चे सुरक्षित रह सकें।

लोक गायिका नेहा सिंह राठौर पुलिस हिरासत में, हजरतगंज थाने लेकर पहुंची महिला पुलिस; पति साथ में मौजूद

लखनऊ। लोक गायिका नेहा सिंह राठौर को हजरतगंज पुलिस ने शनिवार को हिरासत में ले लिया। नेहा सिंह के खिलाफ 27 अप्रैल को हजरतगंज थाने में जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक कमेंट पोस्ट करने का आरोप लगा था। नेहा से फिलहाल पुलिस पूछताछ कर रही है।

गुडंबा वुडलैंड पैराडाइज निवासी कवि अभय प्रताप सिंह उर्फ अभय सिंह निर्भीक ने नेहा के खिलाफ हजरतगंज थाने में केस दर्ज कराया था। शिकायतकर्ता ने तहरीर में आरोप लगाया था कि नेहा सिंह ने आपत्तिजनक पोस्ट कर राष्ट्रीय अखंडता पर प्रतिकूल प्रभाव डालने, धर्म जाति के आधार पर एक दूसरे समुदाय के विरुद्ध अपराध कारित करने के लिए उकसाने का काम किया। इतना नहीं नहीं सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करते हुए नेहा ने इस आतंकी हमले में मारे गए निर्देशों पर सवाल उठाए दो समुदाय के विरुद्ध आपसी सौहार्द बिगाड़ने और शांति व्यवस्था को भंग करने के लिए देशविरोधी बातें कर रही थी। नेहा सिंह राठौर के भारत विरोधी बयान लगातार पाकिस्तान में खूब वायरल हुए और पाकिस्तान में नेहा सिंह राठौर की प्रशंसा हुई।

नेहा सिंह राठौर के सभी देश विरोधी बयान पाकिस्तान की मीडिया में भारत के खिलाफ प्रयोग किए। संकट की ऐसी स्थिति में नेहा सिंह राठौर के लगातार भारत के खिलाफ बयानबाजी के कारण देश के कवि समाज के साथ साथ पूरे भारत देश के मान और सम्मान का हनन हुआ।

केस दर्ज होने के बाद पुलिस ने नेहा सिंह को बयान दर्ज कराने के लिए हजरतगंज पुलिस ने बयान दर्ज करने के लिए नोटिस भी जारी किया था। पुलिस के सूत्र बताते हैं कि शनिवार की रात नेहा सिंह पति के साथ हजरतगंज थाने बयान दर्ज कराने के लिए पहुंची और पुलिस ने उनको हिरासत में ले लिया। उनको महिला थाने में रहा गया है और पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। नेहा सिंह को हिरासत में लिए जाने के मामले में पुलिस का कोई अधिकारी कुछ बोलने को तैयार नहीं है।

पत्रकार के घर पर चोरो का हमला! समरसेबल उखाड़ ले गए चोर, पुलिस की गश्त फेल

300 मीटर तक चोरी, महिलाएं घर में कैद–रामनगर चौकी की नाक के नीचे वारदात

मेजा, प्रयागराज। मेजा थाना क्षेत्र में चोरों के हौसले इस कदर बुलंद हो चुके हैं कि अब वे पत्रकारों के घरों को भी निशाना बनाने लगे हैं, और पुलिस मूकदर्शक बनी बैठी है। रामनगर चौकी अंतर्गत चौकठा गौरा औता गांव में गुरुवार रात अज्ञात चोरों ने पत्रकार के.पी. तिवारी के घर के पीछे लगा समरसेबल पंप उखाड़ लिया और करीब 300 मीटर तक घसीटते हुए चोरी कर ले गए। यह घटना कानून-व्यवस्था के मुंह पर करारा तमाचा है।

शुक्रवार सुबह जब घर के लोग पानी के लिए समरसेबल चलाने पहुंचे, तो वहां सन्नाटा पसरा था–पंप गायब था। आनन-फानन में डायल 112 पर सूचना दी गई। पुलिस आई, इधर-उधर देखा, औपचारिकता निभाई और लौट गई–लेकिन चोरों तक पहुंचने की कोई कोशिश नहीं।

सबसे गंभीर बात यह है कि घर के सभी पुरुष सदस्य रोजगार के सिलसिले में मुंबई में रहते हैं। घर में केवल महिलाएं थीं। चोरों ने इस मजबूरी और असुरक्षा को भांपकर वारदात को अंजाम दिया। यह घटना सिर्फ चोरी नहीं, बल्कि ग्रामीण महिलाओं की सुरक्षा पर सीधा हमला है।

ग्रामीणों का आरोप है कि यह कोई पहली घटना नहीं है। गांव में पहले भी कई बार चोरी हो चुकी है, लेकिन आज तक एक भी मामले का खुलासा नहीं हुआ। इससे साफ है कि या तो पुलिस पूरी तरह नाकाम है, या फिर चोरों को खुला संरक्षण मिल रहा है।

घटना के बाद गांव में जबरदस्त आक्रोश है। ग्रामीणों ने साफ शब्दों में कहा है कि यदि जल्द ही समरसेबल चोरी का खुलासा नहीं हुआ और चोरों की गिरफ्तारी नहीं की गई, तो वे सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे।

अब सवाल सीधा है–

क्या पुलिस चोरों से डर गई है?

क्या ग्रामीण इलाकों में कानून नाम की कोई चीज बची है?

और अगर पत्रकार भी सुरक्षित नहीं, तो आम आदमी की सुरक्षा की गारंटी कौन देगा?

यह वारदात प्रशासन के लिए चेतावनी है–

अब भी नहीं चेते, तो जनता खुद इंसाफ के लिए खड़ी होगी।

प्रदेश में बड़े पैमाने पर आरटीओ और एआरटीओ में बदलाव, आलोक कुमार बने लखनऊ के नए एआरटीओ प्रवर्तन

लखनऊ। आलोक कुमार यादव को लखनऊ के सहायक संभागीय अधिकारी (एआरटीओ, प्रवर्तन) पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। साथ ही प्रदेशभर में तीन आरटीओ व 18 एआरटीओ को नई तैनाती दी गई है। नई तैनाती के बाबत शनिवार को विशेष सचिव खेमपाल सिंह की ओर से आदेश जारी किए गए हैं। दरअसल, गत नवंबर में एसटीएफ ने लखनऊ, फतेहपुर, रायबरेली में ओवरलोडिंग वाहनों से वसूली के मामले में एफआईआर दर्ज कराई थी।

इसमें लखनऊ एआरटीओ सहित तीन एआरटीओ, पीटीओ आदि का निलंबन भी हुआ। एसटीएफ की कार्रवाई के बीच वाहनों की जांच का काम बाधित हो रहा था। ऐसे में नए एआरटीओ, प्रवर्तन को तैनाती मिलने से लखनऊ में वाहनों की जांच का काम फिर से पटरी पर लौट सकेगा।

आलोक कुमार यादव के अतिरिक्त चंपा लाल को सिद्धार्थनगर, अशोक कुमार श्रीवास्तव को गाजियाबाद, कौशल कुमार सिंह को सोनभद्र, मानवेंद्र प्रताप सिंह को सहारनपुर, विनय कुमार सिंह को आगरा, कृष्ण कुमार यादव को फर्रुखाबाद का एआरटीओ प्रशासन बनाया गया है। वहीं, हरिओम को बदायूं, वैभव सोती को बरेली, सतेंद्र कुमार यादव को मथुरा, विंध्याचल कुमार गुप्ता को कानपुर, उमेश चंद्र कटियार को रायबरेली, गुलाब चंद्र को अयोध्या, विपिन कुमार को बागपत, हरिओम को शाहजहांपुर, प्रतीक मिश्र को फतेहपुर, नीतू शमां को बुलंदशहर का एआरटीओ प्रवर्तन बनाया गया है। देवदत्त कुमार को मेरठ का एआरटीओ प्राविधिक बनाया गया है।

राघवेंद्र सिंह बने आरटीओ वाराणसी

इसी क्रम में तीन आरटीओ को नई तैनाती दी गई है। विशेष सचिव खेमपाल सिंह ने बताया कि संभागीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ प्रशासन) राघवेंद्र सिंह को वाराणसी, मनोज कुमार सिंह को आरटीओ प्रशासन सहारनपुर व अम्बरीश कुमार को आरटीओ प्रवर्तन मेरठ बनाया गया है।

ओवरलोडिंग वाहनों से वसूली की जांच शुरू, पूर्व अफसरों पर भी गिरेगी गाज

ओवरलोडिंग वाहनों से होने वाली वसूली के मामले में एसटीएफ की कार्रवाई के बीच परिवहन विभाग ने भी विभागीय जांच शुरू कर दी है। जांच के रडार पर सिंडिकेट से जुड़े पूर्व अफसर भी हैं। ऐसे में उन्होंने लखनऊ की दौड़ लगानी शुरू कर दी है। बचत की जुगत भी लगा रहे हैं। मंत्रियों से मिल रहे हैं तथा लखनऊ में ही डेरा डाले हुए हैं।

बता दें कि ओवरलोडिंग वाहनों से वसूली का खेल काफी पुराना है। लेकिन यह 2022 में बंद हो गया था, जिसे एक जोनल स्तर के अफसर ने दोबारा शुरू करवाया था। सिपाहियों से लेकर आला अफसर तक इस रैकेट में शामिल हैं। उप्र ऑटो लोडर संयुक्त कल्याण समिति ने भी वसूली को लेकर अफसरों पर गंभीर आरोप लगाए थे। समिति ने मांग की थी कि लखनऊ और संभाग में तैनात रहे पुराने अधिकारियों के कार्यकाल की भी जांच की जाए। इस संबंध में परिवहन मंत्री से मुलाकात कर ज्ञापन भी सौंपा गया था।

लो वोल्टेज बना मुसीबत, राजकीय नलकूप बंद होने से किसान परेशान

थरवई। विकासखंड सोराम के ग्राम पंचायत जगदीशपुर पूरे चंदा में लगा राजकीय नलकूप पिछले करीब एक वर्ष से खराब पड़ा है। नलकूप में लगी मोटर लो वोल्टेज के कारण कई बार जल चुकी है, जिससे किसान खेतों की सिंचाई नहीं कर पा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि नलकूप क्षेत्र के सैकड़ों बीघा खेतों की सिंचाई का मुख्य साधन था, लेकिन इसके खराब होने से किसानों को निजी साधनों का सहारा लेना पड़ रहा है, जिससे सिंचाई लागत बढ़ गई है। इस संबंध में अवर अभियंता नलकूप प्रखंड द्वितीय अंजना तिवारी ने बताया कि विद्युत विभाग द्वारा लगाए गए ट्रांसफार्मर से लो वोल्टेज की आपूर्ति हो रही है। इसी कारण मोटर बार-बार जल जा रही है। विद्युत विभाग से सही वोल्टेज की आपूर्ति सुनिश्चित कराने के लिए पत्राचार किया गया है। समस्या के समाधान के बाद नलकूप को पुनः चालू कराया जाएगा।फिलहाल नलकूप बंद रहने से किसान परेशान हैं और शीघ्र समाधान की मांग कर रहे हैं।

प्रदेश में साइबर अपराध और अपराधियों पर नकेल कसेंगे खास तरह के कमांडो, तैयार की गई एक विशेष टीम

लखनऊ। साइबर अपराध और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए साइबर कमांडो की एक टीम तैयार की गई है। आधुनिक उपकरणों और साइबर संबंधी जानकारी से ये कमांडो लैस हैं। टीम को मुख्यालय में तैनात किया गया। फिलहाल कमांडो जिले, जोन व रेंज के पुलिसकर्मियों को ट्रेनिंग दे रहे हैं। इससे साइबर अपराध को रोकने और अपराधियों को गिरफ्त में लेने में आसानी होगी।

डीजी साइबर व सीआईडी बिनोद कुमार के मुताबिक 15 सदस्यीय टीम को देश के प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे आईआईटी कानपुर, नया रायपुर, मद्रास व राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के एक्सपर्ट के साथ साथ गुजरात के साइबर विशेषज्ञों ने ट्रेनिंग दी गई है। जिसमें तकनीकी तौर पर जानकारी दी गई है कि किस तरह से साइबर अपराध पर अंकुश लगाया जा सकता है। अगर अपराध हो गया है तो साइबर अपराधियों को कैसे ट्रेस किया जा सकता है और ठगी की रकम को कैसे सुरक्षित किया जा सकता है। तमाम टूल्स भी टीम को मुहैया कराए गए हैं। डीजी ने बताया कि एसपीजी और एनएसजी के कमांडो जिस तरह से अपने कार्य क्षेत्र में दक्ष होते हैं उसी तरह से ये कमांडो साइबर के क्षेत्र में सक्षम होंगे।

ताकि स्थानीय स्तर पर हो पुख्ता कार्रवाई

प्रशिक्षित टीम जिला व जोन स्तर के पुलिसकर्मियों को ट्रेनिंग दे रहे हैं। जिससे प्रदेश के हर जिले की पुलिस, जोन व रेंज स्तर की टीम में साइबर कमांडो की तैनाती की जा सके। जो केवल साइबर अपराध से जुड़े मामलों की विवेचना आदि करेंगे। चूंकि प्रत्येक जिले में साइबर अपराध की घटनाएं हो रही हैं, वहां एक्सपर्ट की टीम होने से कार्रवाई करने में आसानी होगी।

इन मुख्य अपराधों से निपटना बेहद जरूरी

साइबर ठगी, ऑनलाइन साइबर हमले, सोशल मीडिया अपराध, डाटा चोरी, फिशिंग और डिजिटल ब्लैकमेलिंग, डिजिटल अरेस्ट जैसे साइबर अपराध से निपटना चुनौती बन गया है। एक्सपर्ट इन मामलों में बेहतर कार्रवाई करेंगे।

पौष पूर्णिमा पर ढाई लाख श्रद्धालुओं ने किए रामलला के दर्शन, माघ मेले का भी हुआ शुभारंभ

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में श्रद्धालुओं का रेला थमने का नाम नहीं ले रहा है। पौष पूर्णिमा पर करीब तीन लाख श्रद्धालुओं ने पावन सलिला सरयू में डुबकी लगाई। पौष पूर्णिमा के पावन अवसर के साथ ही माघ मेले का भी शुभारंभ हो गया है।

रामलला के दरबार में सुबह से ही श्रद्धालुओं की कतार लग गई। लगभग ढाई लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए।

शनिवार भोर से ही सरयू तट पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। आस्था की डुबकी लगाने के लिए दूर-दूर से आए भक्तों ने शीतलहर की परवाह किए बिना सरयू में स्नान किया और पुण्य लाभ अर्जित किया। जस सरयू मइया, जय श्रीराम के जयघोष से घाट गूंज उठे। पौष पूर्णिमा पर पवित्र नदियों में स्नान, दान और जप-तप का विशेष महत्व माना गया है। मान्यता है कि इस दिन किया गया स्नान और दान अक्षय पुण्य प्रदान करता है।

भक्ति और श्रद्धा का वातावरण बना रहा

स्नान के उपरांत श्रद्धालुओं का रेला मठ-मंदिरों की ओर बढ़ता दिखाई दिया। राम जन्मभूमि मंदिर सहित हनुमानगढ़ी, कनक भवन और अन्य प्रमुख मंदिरों में दर्शन के लिए लंबी कतारें लगी रहीं। राम मंदिर परिसर में पूरे दिन भक्ति और श्रद्धा का वातावरण बना रहा।

शनिवार होने के नाते हनुमंतलला के दरबार में भीड़ का दबाव अधिक रहा। यहां भी करीब ढाई लाख श्रद्धालुओं ने माथा टेका। भीड़ को देखते हुए टेढ़ी बाजार से राम मंदिर की ओर चार पहिया वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहा। सरयू घाट पर गोताखोरों और जल पुलिस की तैनाती रही।

सरयू आरती में उमड़ी भीड़

पूर्णिमा पर मां सरयू की विशेष आरती की गई। आंजनेय सेवा संस्थान के अध्यक्ष शशिकांत दास ने बताया कि पूर्णिमा पर मां सरयू की 2100 बत्ती की महाआरती उतारी गई। रोजाना 501 बत्ती की आरती होती है। मां सरयू का दुग्धाभिषेक भी किया।

इस तरह सरयू तट पर आरती करने वाली अन्य संस्थाओं ने भी मां सरयू की विशेष आरती का आयोजन किया। पूर्णिमा की आरती में शामिल होने के लिए घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी, बहुत से श्रद्धालुओं ने सरयू में दीपदान कर मनौतियां भी मांगी।

'दालमंडी चौड़ीकरण में तेजी लाएं...', वाराणसी में बोले सीएम- वेडिंग जोन बनाकर जाम का करें समाधान

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को अपने दो दिवसीय वाराणसी दौरे के दौरान सर्किट हाउस सभागार में अधिकारियों के साथ विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था के प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने दालमंडी सड़क चौड़ीकरण हेतु भूमि अधिग्रहण के कार्यों को शीघ्रता से किए जाने के साथ ही सड़क निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। इससे संबंधित न्यायालयों में लंबित मामलों की उचित पैरवी कर शीघ्रता से निस्तारण सुनिश्चित कराने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद में बाढ़ बचाव से सम्बन्धित कार्यों हेतु जनप्रतिनिधियों से वार्ता करते हुए उनके सुझावों को भी प्रस्तावों में शामिल करें। वरुणा नदी पुनरोद्धार हेतु आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

नाविकों से लगातार संवाद बढ़ाये जाने पर जोर दिया, ताकि श्रद्धालुओं को किसी असुविधा का सामना न करना पड़े। कहा कि, घाट श्रद्धालुओं के लिए है जो पवित्रता का स्थल है, वहां किसी भी तरह का धरना प्रदर्शन तथा अराजकता स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने कहा कि नोडल अधिकारी हर कार्य की मॉनिटरिंग करें तथा किसी भी स्तर पर यदि बाधा परिलक्षित होती है तो उसका अविलंब निस्तारण कराए। ताकि अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित हो।

अफसरों को दिए निर्देश

मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि सीवरेज तथा पेयजल हेतु नगर निगम तथा जलनिगम अपनी कार्यप्रणाली पर गंभीरता से नजर रखें और यह सुनिश्चित करें कि नागरिकों को हर हालत में शुद्ध पेयजलापूर्ति सुनिश्चित हो। सड़कों पर अनावश्यक जाम रोकने हेतु वेडिंग जोन बनाकर रिक्शे तथा ठेले को व्यवस्थित करें तथा उपयुक्त स्थानों पर पार्किंग स्थल बनाकर अवैध टैक्सी स्टैंड, बस स्टैंड, रिक्शा स्टैंड को वहां व्यवस्थित करें।

ठंड के दृष्टिगत पर्याप्त रैन बसेरे संचालित हों तथा वहां पर पर्याप्त मात्रा में कंबल एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित हों। नगर निगम एवं विकास प्राधिकरण को नागरिकों हेतु बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित कराए जाने हेतु निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि लोक निर्माण विभाग, सेतु निगम तथा अन्य कार्यदायी संस्थाएं अपनी विकास परियोजनाओं को जनप्रतिनिधियों से भी अवलोकित कराएं। माघ मेले को लेकर विशेष तैयारियों समेत सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। राजस्व वादों का ससमय गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित हो।

पुलिस, होमगार्ड्स समेत अन्य बलों को अपनी कार्यप्रणाली को और बेहतर बनाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि पर्यटको एवं आमजन के प्रति उनका व्यवहार सहयोगी हो। जनपद में हुक्का बार समेत अन्य अनैतिक गतिविधियों पर सख्ती बरतने के भी निर्देश दिए। सड़क पर कोई भी वाहन खड़ा न हो, इसको सुनिश्चित किया जाए। मॉल के पार्किंग क्षेत्र का उपयोग पार्किंग हेतु होना सुनिश्चित हो। साइबर थाना तथा हेल्पडेस्क को सक्रिय करें, जिससे साइबर अपराधों पर अंकुश लगे। थानावार अवैध कब्जे करने वाले माफियाओं, पेशेवर गुंडे, चेन स्नेचरों को पकड़कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें। माघ मेले तथा आगामी पर्वों को देखते हुए समुचित तैयारी रखें। सभी विभाग काशी की वैश्विक छवि को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने हेतु लगातार प्रयासरत रहें।

यातायात का भी जाना हाल

इससे पूर्व जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने जनपद में निर्माणाधीन विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी मुख्यमंत्री के समक्ष रखी। जिसमें उन्होंने बताया कि 2014 से 2025 तक कुल 486 प्रोजेक्ट्स 35155 करोड़ के पूरे किए गए हैं। वर्तमान में 17915 करोड़ के कुल 128 प्रोजेक्ट्स गतिमान हैं, जिसमें सड़क व पुल के 24 प्रोजेक्ट्स 5812 करोड़ शामिल हैं।

पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल द्वारा कानून व्यवस्था, गौतस्करों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई, साइबर अपराध समेत यातायात व्यवस्था की जानकारी मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत की गयी।

बैठक में स्टाम्प राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल, आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ दयाशंकर मिश्र 'दयालु', जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पूनम मौर्य, महापौर अशोक तिवारी, पूर्व मंत्री एवं विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी, विधान परिषद सदस्य हंसराज विश्वकर्मा, राय धर्मेंद्र सिंह, विधायक सौरभ श्रीवास्तव, विधायक टी राम, विधायक डॉ अवधेश सिंह, विधायक डॉ सुनिल पटेल, मंडलायुक्त एस. राजलिंगम, एडीजी जोन पियूष मोर्डिया, अपर पुलिस आयुक्त शिवहरि मीणा, डीआईजी वैभव कृष्णा, विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष पूर्ण बोरा, नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल, सीडीओ प्रखर सिंह समेत संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

भिवंडी में ड्रिंक एंड ड्राइव मामलों में आई बड़ी गिरावट, लोगों में बढ़ी यातायात जागरूकता

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ की जाने वाली कार्रवाई में भिवंडी में इस वर्ष उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। यातायात पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 में ड्रिंक एंड ड्राइव के केवल 63 मामले सामने आए, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 92 थी। वहीं वर्ष 2024 में पुलिस ने 182 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की थी। आंकड़े यह संकेत देते हैं कि शहर में यातायात नियमों को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ी है।

पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) शशिकांत बोराटे के निर्देश पर नशे में वाहन चलाने, तेज रफ्तार, स्टंटबाजी और हुड़दंग मचाने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया। इसके तहत भिवंडी के सभी छह पुलिस स्टेशनों की टीमों ने यातायात पुलिस के साथ मिलकर शिवाजी चौक, बंजार पट्टीनाका, कल्याण नाका, धामणकर नाका, वराला देवी तालाब, कारिवली नाका, अंजूर फाटा, राजनौली नाका और सार्डा बाबा नाका सहित अन्य प्रमुख चौराहों पर नाकाबंदी कर जांच की।अभियान के दौरान नारपोली ट्रैफिक पुलिस ने शराब पीकर वाहन चलाने वाले 27 चालकों के खिलाफ कार्रवाई की। वहीं कल्याण नाका ट्रैफिक पुलिस ने 20 वाहनों को जब्त किया, जबकि कोनगांव ट्रैफिक पुलिस ने 16 वाहन चालकों पर कार्रवाई की। यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए पुलिस विभाग ने अनोखा तरीका अपनाया। कल्याण नाका पर एक पुलिसकर्मी को 'यमराज' के वेश में तैनात किया गया, जो वाहन चालकों को रोककर नियमों का पालन करने का संदेश देता नजर आया।डीसीपी शशिकांत बोराटे ने बताया कि समाज में शराब पीकर वाहन चलाने के दुष्परिणामों को लेकर जागरूकता बढ़ी है। उन्होंने 31 दिसंबर की रात नए साल का स्वागत शांतिपूर्ण ढंग से करने, शराब पीकर वाहन न चलाने और रेसिंग से बचने की अपील की थी। इसके साथ ही नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से चलाए गए इन अभियानों का सकारात्मक असर देखने को मिला है, जिसके चलते इस वर्ष ड्रिंक एंड ड्राइव के मामलों में गिरावट दर्ज की गई है।

NOTA विकल्प के बावजूद निर्विरोध चुनाव पर सवाल, राज्य चुनाव आयोग से शिकायत

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। नगर निकाय चुनावों में नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद यदि केवल एक ही उम्मीदवार शेष रहता है, तो उसे निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए जाने की परंपरा पर सवाल उठाए गए हैं। भिवंडी के मतदाता फारुक पठाण ने इस संबंध में महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग, मुंबई को लिखित शिकायत देकर मतदान कराए जाने की मांग की है। शिकायत में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2013 में NOTA (नन ऑफ द एबव) का विकल्प अनिवार्य किया है, जिससे मतदाताओं को किसी भी उम्मीदवार को अस्वीकार करने का अधिकार प्राप्त हुआ है। ऐसी स्थिति में यदि केवल एक उम्मीदवार शेष रहने पर उसे निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया जाता है, तो यह मतदाताओं को NOTA के माध्यम से मतदान करने से वंचित करने जैसा होगा। फारुक पठाण ने अपने पत्र में कहा है कि लोकतंत्र में मतदाताओं को मतदान के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। NOTA विकल्प उपलब्ध होने के बावजूद बिना मतदान कराए किसी उम्मीदवार को विजयी घोषित करना लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। उन्होंने निर्वाचन आयोग से मांग की है कि संबंधित महानगरपालिका के चुनाव निर्णय अधिकारियों को निर्देश दिए जाएं कि ऐसी परिस्थिति में भी मतदान कराया जाए, ताकि मतदाता या तो शेष उम्मीदवार के पक्ष में मतदान कर सकें या फिर NOTA के माध्यम से अपनी असहमति दर्ज करा सकें । शिकायतकर्ता के अनुसार वह प्रभाग क्रमांक 16 के पंजीकृत मतदाता हैं। उन्होंने आयोग से इस विषय पर गंभीरता से विचार कर आवश्यक आदेश जारी करने की अपील की है। इस मामले में अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि राज्य निर्वाचन आयोग क्या निर्णय लेता है, क्योंकि यह मुद्दा भविष्य में स्थानीय निकाय चुनावों की प्रक्रिया पर असर डाल सकता है।

प्रभाग 1-ब से कांग्रेस (पुरस्कृत) की महिला उम्मीदवार विजयाताई अ.गायकवाड़ का तीखा हमला

दलित समाज को जानबूझकर पीछे धकेलने का आरोप

भिवंडी। भिवंडी निजामपुर महानगरपालिका चुनाव में प्रभाग क्रमांक 1-ब से कांग्रेस पार्टी की महिला उम्मीदवार विजयाताई अशोक गायकवाड़ ने सत्ताधारी वर्ग पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि दलित समाज को योजनाबद्ध तरीके से शिक्षा, विकास और बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखा गया है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि सामाजिक दमन की राजनीति है।

गायकवाड़ ने कहा कि यह इलाका पांच बार महापौर दे चुका है, लेकिन दलित समाज की बस्तियों की हालत आज भी बद से बदतर बनी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि मनपा के सफाई कर्मचारियों की बस्ती को जानबूझकर उजाड़ा गया, क्योंकि समाज अन्याय के खिलाफ एकजुट हो रहा था। करीब नौ वर्ष पहले सफाई कर्मियों की इमारत तोड़ दी गई, लेकिन आज तक उसका पुनर्निर्माण नहीं किया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर किसके इशारे पर यह सब किया गया। उन्होंने कहा कि इलाके में शराब भट्टियां और जुए के अड्डे खुलेआम चलाए गए, ताकि दलित समाज के बच्चे और युवा नशे की गिरफ्त में फंस जाएं और शिक्षा से दूर रहें। गायकवाड़ ने आरोप लगाया कि यह एक सोची-समझी साजिश थी, जिससे समाज कमजोर बना रहे और तानाशाही राजनीति चलती रहे। उन्होंने कहा कि अन्य बस्तियों की स्थिति भी बेहद दयनीय है। गंदगी और दुर्गंध के बीच लोगों को रहने के लिए मजबूर किया जा रहा है, जबकि जनप्रतिनिधि सिर्फ चुनाव के समय दिखाई देते हैं। महानगरपालिका के स्वामित्व वाला चैलेस ग्राउंड राजनीति का अड्डा बन गया है। बच्चों के खेलने का मैदान होते हुए भी बच्चे खेल से वंचित हैं। म्हाडा कॉलोनी की जर्जर स्कूल इमारतों पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि इससे खासकर मुस्लिम बहुल क्षेत्र के बच्चों को जानबूझकर अशिक्षित रखने की कोशिश की गई। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की हालत पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि आज वह खुद इलाज का मोहताज है। गायकवाड़ ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने उन्हें इन अन्यायपूर्ण हालातों के खिलाफ आवाज उठाने के लिए मैदान में उतारा है। उन्होंने दावा किया कि यदि जनता ने मौका दिया, तो प्रभाग 1ब में शिक्षा, स्वास्थ्य और दलित समाज के सम्मान को प्राथमिकता दी जायेगी।

विधायक 5 जनवरी तक अवकाश पर,उसके बाद लेंगे निर्णय-अजय यादव

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता अजय यादव ने स्पष्ट किया कि पार्टी विधायक रईस शेख ने 5 जनवरी तक अवकाश लिया है और उसके बाद ही वे अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर कोई निर्णय लेंगे। अजय यादव ने कहा कि रईस शेख अधिकृत रूप से समाजवादी पार्टी के विधायक हैं और यदि वे किसी अन्य पार्टी के लिए कार्य करना चाहते हैं, तो उन्हें पहले सपा से इस्तीफा देना होगा। भिवंडी में आयोजित एक कार्यक्रम में अजय यादव ने भिवंडी मनपा शहर अध्यक्ष पद पर अनस अंसारी की नियुक्ति पर उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि अनस अंसारी ने कांग्रेस छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल होकर संगठन को मजबूती दी है। इस अवसर पर उन्होंने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के साथ गठबंधन की भी औपचारिक घोषणा की और पार्टी कॉ. विजय कांबले को सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। अजय यादव ने बताया कि आगामी चुनावों में प्रभाग क्रमांक 15 से भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, समाजवादी पार्टी के साथ संयुक्त रूप से चुनाव लड़ेगी। इस प्रभाग में कम्युनिस्ट पार्टी एक सीट पर चुनाव लड़ेगी, जबकि शेष सीटों पर समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार मैदान में होंगे। रईस शेख को लेकर चल रही अटकलों पर प्रतिक्रिया देते हुए अजय यादव ने कहा कि रईस शेख ने स्वयं स्पष्ट किया है कि कोई भी उनकी फोटो कहीं भी लगा सकता है, इसकी कोई जवाबदेही नहीं है। हालांकि, अजय यादव ने दो टूक शब्दों में कहा कि पार्टी में 'डबल स्टैंडर्ड' नहीं चलेगा और अनुशासन सर्वोपरि है। निविरोध विजयी उम्मीदवारों के मुद्दे पर अजय यादव ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार होने की आशंका है। उन्होंने कहा कि सत्ताधारी दल लोकतंत्र का हनन कर रहे हैं और समाजवादी पार्टी पर भी दबाव बनाया गया था। उन्होंने जानकारी दी कि सपा से कुल 59 उम्मीदवार मैदान में हैं, जबकि 61 उम्मीदवारों को बी-फॉर्म वितरित किए गए थे। इस मौके पर भिवंडी शहर अध्यक्ष अनस अंसारी ने कहा कि वे पूरी निष्ठा से पार्टी का कार्य करेंगे और आगामी चुनावों में सबसे अधिक उम्मीदवार समाजवादी पार्टी से विजयी होंगे। वहीं, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के नेता कॉ. विजय कांबले ने कहा कि पार्टी संयुक्त युति के तहत समाजवादी पार्टी के साथ चुनाव लड़ रही है। उन्होंने कहा कि दोनों दलों की विचारधारा एक जैसी है और वे मिलकर जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाएंगे। कार्यक्रम में अजय लाला यादव, अरफात शेख, रियाज आजमी, अनस अंसारी, सलाम नोमानी, मकादू और असलम फैजाबादी सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

भिवंडी मनपा चुनावः मतपेटियों की सुरक्षा के लिए बनाए जा रहे मजबूत स्ट्रांग रूम, कड़े इंतजाम

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी महानगरपालिका चुनाव को लेकर मनपा प्रशासन और पुलिस विभाग ने तैयारियां लगभग पूरी कर ली हैं। 15 जनवरी 2026 को होने वाले चुनाव के मद्देनजर शहर के विभिन्न हिस्सों में सात क्षेत्रीय चुनाव कार्यालय स्थापित किए गए हैं। राज्य चुनाव आयोग के निर्देशानुसार, इन कार्यालयों में मतपेटियों की सुरक्षा के लिए विशेष स्ट्रांग रूम बनाए जा रहे हैं, जहां मतगणना भी संपन्न होगी।चुनाव अधिकारी एवं आयुक्त अनमोल सागर ने बताया कि राज्य चुनाव आयोग के निर्देशों के तहत सभी क्षेत्रीय चुनाव कार्यालयों में चुनाव निर्णय अधिकारियों, अन्य पदाधिकारियों और सहायक अधिकारियों की नियुक्ति कर दी गई है। अधिकारियों के अनुसार, प्रत्येक कार्यालय में ईवीएम मशीनों के बक्सों के लिए अलग और सुरक्षित स्ट्रांग रूम तैयार किया जा रहा है।मनपा चुनाव के लिए मिल्लतनगर स्थित फरहान खान हॉल, भदवाड़ संपदा नाइक हॉल, कामतघर के वराला देवी माता हॉल, अल्लाज शाह मोहम्मद हॉल तथा कोम्बडपाड़ा के राजय्या गजेंगी हॉल सहित कुल सात स्थानों पर क्षेत्रीय चुनाव कार्यालय बनाए गए हैं। मनपा के 23 निर्वाचन क्षेत्रों में से आरओ-3 और आरओ-4 कार्यालयों के अंतर्गत चार-चार वार्ड शामिल हैं, जबकि शेष पांच क्षेत्रीय कार्यालयों में तीन-तीन वार्ड आते हैं।चुनाव अधिकारियों ने बताया कि सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में स्ट्रांग रूम ईंट और सीमेंट की मजबूत दीवारों से तीन तरफ से पूरी तरह बंद किए जा रहे हैं। प्रवेश के लिए केवल एक ही मार्ग रखा जाएगा। मतदान के बाद ईवीएम मशीनों के बक्से रखने के पश्चात स्ट्रांग रूम को सभी की उपस्थिति में सील किया जाएगा। इसके चारों ओर कड़ी पुलिस सुरक्षा व्यवस्था तैनात रहेगी।मिल्लतनगर स्थित फरहान खान हॉल की पहली मंजिल पर ईवीएम मशीनों के बक्सों के लिए सीमेंट की दीवारों वाला स्ट्रांग रूम तैयार करने का कार्य शुरू कर दिया गया है, वहीं अन्य हिस्सों को भी सुरक्षा की दृष्टि से पूरी तरह बंद किया जा रहा है।भिवंडी मनपा चुनाव 15 जनवरी 2026 को संपन्न होगा, जबकि मतगणना अगले दिन शुक्रवार 16 जनवरी को सुबह 10 बजे से संबंधित क्षेत्रीय चुनाव कार्यालयों में की जाएगी। चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और पारदर्शी बनाने के लिए प्रत्येक मतदान केंद्र के बाहर पुलिस उपायुक्त के निर्देश पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है।अधिकारियों के अनुसार, यह चुनाव नए मतदाताओं के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण और आकर्षक रहेगा, जिससे उन्हें लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी का नया अनुभव प्राप्त होगा।

भिवंडी निजामपुर महानगरपालिका चुनाव में 90 वार्डों के लिए 439 उम्मीदवार मैदान में...

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी-निजामपुर शहर महानगरपालिका के 90 वार्डों के लिए होने वाले चुनाव को लेकर नामांकन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। नामांकन पत्रों की जांच और नामांकन वापसी की अंतिम तिथि के बाद अब चुनावी मैदान में कुल 439 उम्मीदवार शेष रह गए हैं। मतदान 15 जनवरी को कराया जाएगा, जबकि 16 जनवरी को मतगणना कर परिणाम घोषित किए जाएंगे। चुनाव प्रक्रिया के दौरान कुल 1033 उम्मीदवारों ने नामांकन अर्ज दाखिल किए थे। जांच के दौरान 74 उम्मीदवारों के नामांकन अर्ज अवैध पाए गए, जिसके बाद 959 नामांकन पत्रों को वैध घोषित किया गया। हालांकि इनमें से बड़ी संख्या में उम्मीदवारों ने एक से अधिक वार्डों से नामांकन अर्ज दाखिल किया था। ऐसे उम्मीदवारों की संख्या 722 बताई गई है।नामांकन पत्र वापस लेने की अंतिम तिथि पर 283 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन अर्ज वापस ले लिए। इसके बाद अब 90 वार्डों के लिए कुल 439 उम्मीदवार अंतिम रूप से चुनावी रण में बने हुए हैं। हर वार्ड में उम्मीदवारों की स्थिति स्पष्ट होने के बाद राजनीतिक दलों और निर्दलीय उम्मीदवारों ने अपने-अपने प्रचार अभियान तेज कर दिए हैं। चुनाव आयोग और प्रशासन की ओर से मतदान को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने के लिए सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। संवेदनशील इलाकों में विशेष नजर रखी जाएगी। भिवंडी निजामपुर महानगरपालिका चुनाव को लेकर शहर में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। अब सभी की नजरें 15 जनवरी को होने वाले मतदान पर टिकी हैं, जिसके बाद 16 जनवरी को मतगणना के जरिए यह साफ हो जाएगा कि जनता ने नगर प्रशासन की कमान किसे सौंपी है।

बिनविरोध चुनाव पर सवाल, क्या यह लोकतंत्र के लिए खतरा है?

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। महाराष्ट्र में एक साथ 29महानगरपालिकाओं के चुनाव की प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही बिनविरोध निर्वाचित उम्मीदवारों को लेकर सवाल उठने लगे हैं। श्रमिक नेता और पत्रकार महेंद्र कुंभारे ने बिनविरोध चुनाव को लोकतंत्र के लिए घातक बताते हुए गंभीर चिंताएं जताई हैं। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के बाद संभवतः यह पहली बार है जब इतनी बड़ी संख्या मेंमहानगरपालिकाओं के चुनाव एक ही दिन कराए जा रहे हैं। नामांकन, जांच और नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होते ही यह सामने आया है कि 29 महानगरपालिकाओं में करीब 65 उम्मीदवार बिनविरोध निर्वाचित हो गए हैं। प्राथमिक जानकारी के अनुसार ये सभी उम्मीदवार सत्ताधारी दल से जुड़े हैं। महेंद्र कुंभारे ने सवाल उठाया कि जब प्रत्येक वार्ड की जनसंख्या 30 से 40 हजार तक है और कई राजनीतिक दल सक्रिय हैं, तो फिर सत्ताधारी दल के ही उम्मीदवार बिनविरोध कैसे चुने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय चुनावों में आमतौर पर बड़ी संख्या में इच्छुक उम्मीदवार मैदान में उतरते हैं। कई लोग महीनों से तैयारी करते हैं, दस्तावेज जुटाने में खर्च करते हैं, जमा राशि भरते हैं और शक्ति प्रदर्शन के साथ नामांकन दाखिल करते हैं। ऐसे में अचानक सभी विरोधी उम्मीदवारों का नाम वापस लेना संदेह पैदा करता है। उन्होंने यह भी सवाल किया कि क्या उम्मीदवारों ने केवल नामांकन वापस लेने के लिए ही इतना खर्च और मेहनत की थी। नामांकन दाखिल करने के कुछ ही दिनों के भीतर ऐसा क्या हुआ कि सभी विरोधी उम्मीदवारों ने चुनाव से दूरी बना ली। उन्होंने आशंका जताई कि इसके पीछे धनबल, दबाव या किसी तरह की आपसी साठगांठ हो सकती है। कुंभारे ने कहा कि लोकतंत्र में मतदान नागरिक का मौलिक अधिकार है। जब मतदाताओं को ईवीएम में 'नोटा' का विकल्प भी दिया गया है, तो उनसे मतदान का अधिकार छीनना अनुचित है। बिना मतदान, बिना जनता की राय और बिना विकल्प दिए बिनविरोध निर्वाचित होना यह नहीं दर्शाता कि जनता ने उस उम्मीदवार को चुना है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि लोकतंत्र में विपक्ष और विरोध की आवाज कमजोर की गई, तो यह व्यवस्था धीरे-धीरे तानाशाही की ओर बढ़ सकती है। उनका कहना है कि हाल के लोकसभा, विधानसभा और अब स्थानीय निकाय चुनावों का रुझान इसी दिशा में जाता दिखाई दे रहा है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि आने वाले समय में चुनाव वास्तव में होंगे भी या नहीं, यह सबसे बड़ी चिंता का विषय बन गया है।

संदेशखाली में टीएमसी कार्यकर्ता को गिरफ्तार करने गई पुलिस, शेख शाहजहां के समर्थकों ने किया हमला

उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली इलाके में तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता को गिरफ्तार करने के बाद भीड़ द्वारा पुलिसकर्मियों पर हमला करने से छह पुलिसकर्मी घायल हो गए। अधिकारी ने बताया कि नाज़ात पुलिस स्टेशन की टीम टीएमसी कार्यकर्ता मूसा मोल्लाह को गिरफ्तार करने के लिए संदेशखाली ब्लॉक के बोयेरमारी गांव गई थी। पुलिसकर्मियों पर ग्रामीणों के एक समूह ने हमला किया और पुलिस वाहन को भी नुकसान पहुंचाया। एक पुलिस अधिकारी समेत छह घायल पुलिसकर्मियों को स्थानीय अस्पताल में इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। ये पुलिसकर्मी उस समय घायल हुए जब कुछ ग्रामीणों ने मोल्लाह को उसके घर से उठाकर पुलिस वाहन में बिठाया था। अधिकारी ने बताया कि मोल्लाह को इलाके में मत्स्यपालन के लिए जल स्रोतों पर जबरन कब्जा करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अतिरिक्त पुलिस बल भेजे जाने और भीड़ को खदेड़ने के बाद आखिरकार उसे पुलिस स्टेशन ले जाया जा सका। उसके अलावा, ग्राम पंचायत प्रधान समेत दो स्थानीय टीएमसी नेताओं को भीड़ को उकसाने के आरोप में हिरासत में लिया गया। 5 जनवरी 2024 को, राशन वितरण घोटाले के सिलसिले में स्थानीय टीएमसी नेता और जिला परिषद सदस्य शेख शाहजहाँ के आवास पर छापेमारी करने पहुंची ईडी की टीम पर हमला हुआ। शाहजहाँ को बाद में सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया और फिलहाल वह न्यायिक हिरासत में हैं। भाजपा नेता सजल घोष ने कहा कि राज्य पुलिस पर हुए हमले ने ममता बनर्जी के शासन में टीएमसी कार्यकर्ताओं की 'हताशा और बेशर्मी' को उजागर किया है।

घोष ने पूछा कि दो साल पहले ईडी अधिकारियों पर हुए हमले से लेकर अब राज्य पुलिस पर हुए हमले तक, पैटर्न एक जैसा ही है। क्या राज्य पुलिस सत्ताधारी पार्टी के खिलाफ खड़े होने और उचित कार्रवाई करने का साहस दिखाएगी? टीएमसी प्रवक्ता अरूप चक्रवर्ती ने कहा पुलिस पर हमला निंदनीय है और पार्टी ऐसी गतिविधियों का समर्थन नहीं करती। पुलिस जो भी कार्रवाई करेगी, हमारा समर्थन रहेगा।

मनोरंजन

विजय सेतुपति अभिनीत फिल्म 'गांधी टॉक्स' 30 जनवरी को रिलीज होगी

मुंबई। विजय सेतुपति और अदिति राव हैदरी अभिनीत फिल्म 'गांधी टॉक्स' 30 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। निर्माताओं ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, किशोर बेलेकर द्वारा निर्देशित, जी स्टूडियोज की यह फिल्म आधुनिक भारतीय सिनेमा में एक दुर्लभ मूक

कृति है, जिसमें मौन ही कहानी कहने का सबसे सशक्त माध्यम है। बेलेकर ने कहा कि यह फिल्म "मौन पर भरोसा" करने के बारे में है।

उन्होंने एक बयान में कहा, "भारतीय सिनेमा ने कहानी कहने के एक सदी से अधिक समय का सफर तय कर लिया है, ऐसे में हम इस माध्यम के सबसे मौलिक रूप - विशुद्ध प्रदर्शन और भावना की ओर लौटना चाहते थे।"

उन्होंने कहा, "कलाकारों ने उस संवेदनशीलता को पूरी तरह से अपनाया और ए आर रहमान का संगीत फिल्म की आवाज बन गया। जी स्टूडियोज और मीरा चोपड़ा के सहयोग से हम सिनेमा का एक साहसिक और ईमानदार नमूना पेश करने में सक्षम हुए।" फिल्म में अरविंद स्वामी और सिद्धार्थ जाधव भी मुख्य भूमिका में हैं और इसका संगीत ए आर रहमान ने तैयार किया है।

कृति सेनन की बहन Nupur Sanon ने Stebin Ben से की सगाई, दिल छू लेने वाली पोस्ट में हीरे की अंगूठी दिखाई

मुंबई। शादी की अफवाहों के बीच, एक्ट्रेस कृति सेनन की बहन और एक्ट्रेस नूपुर सेनन ने आखिरकार अपने रिश्ते को पब्लिक कर दिया है। उन्होंने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड और सिंगर स्टेबिन बेन के एक सपनों जैसे प्रपोज़ल में 'हां' कहा। नूपुर ने प्रपोज़ल की तस्वीरें पोस्ट करके यह खबर शेयर की। तस्वीरों में कृति सेनन भी अपनी बहन और होने वाले जीजा को गले लगाते हुए दिख रही हैं। तस्वीरों में कपल सेनन के माता-पिता को वीडियो कॉल करते हुए भी दिख रहा है।

नूपुर सेनन ने अपने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर कीं। पहली तस्वीर में, स्टेबिन बेन घुटनों पर बैठकर नूपुर को प्रपोज़ करते हुए दिख रहे हैं, उनके पीछे 'विल यू मैरी मी' लिखा हुआ है। दूसरी तस्वीर में नूपुर अपनी अंगूठी दिखा रही हैं। एक तस्वीर में कृति सेनन नूपुर और स्टेबिन को गले लगाते हुए दिख रही

हैं। हालांकि कृति का चेहरा साफ नहीं दिख रहा है, लेकिन यह 'तेरे इश्क में' एक्ट्रेस ही लग रही हैं।

नूपुर ने अपने माता-पिता को किए गए वीडियो कॉल की एक तस्वीर भी शेयर की। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए नूपुर ने लिखा, 'शायद से भरी दुनिया में, मुझे सबसे आसान 'हां' मिल गया जो मुझे कभी कहना पड़ा।'

शादी 11 जनवरी को उदयपुर में होने वाली है?

सगाई एक यॉट पर हुई, शायद मुंबई में। इस खास पल के लिए, नूपुर ने एक खूबसूरत फ्लोरल ड्रेस पहनी थी, जबकि स्टेबिन नीले सूट में दिखे।

नूपुर और स्टेबिन की शादी की खबरें काफी समय से चल रही हैं और ऐसा लगता है कि नूपुर और स्टेबिन 11 जनवरी को उदयपुर में शादी कर सकते हैं। शादी एक प्राइवेट फंक्शन होने की उम्मीद है और कथित तौर पर बाद में मुंबई में एक ग्रैंड रिसेप्शन भी प्लान किया गया है।

सलमान खान के भांजे अयान अग्निहोत्री ने की सगाई, गर्लफ्रेंड के साथ शेयर कीं फोटोज; मलाइका अरोड़ा ने दी बधाई

मुंबई। खान फैमिली में शहनाई बजने वाली है। सलीम खान और सुशीला चरक (सलमा खान) के नाती अयान अग्निहोत्री जिंदगी का नया अध्याय शुरू करने वाले हैं। नए साल में उन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड टीना रिझवानी के साथ सगाई की है। सलमान खान के भांजे ने अपनी सगाई की फोटोज फैंस के साथ शेयर की हैं। इन पर मलाइका अरोड़ा से लेकर सोनाक्षी सिन्हा तक, तमाम सेलेब्स ने बधाई दी हैं।

अयान अग्निहोत्री ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से सगाई की फोटोज शेयर की हैं। वे अपनी गर्लफ्रेंड टीना को किस करते नजर आ रहे हैं। एक अन्य फोटो में टीना और अयान अपनी मंगनी की अंगूठी फ्लॉन्ट करते दिख रहे हैं। पोस्ट के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा है, 'साल 2025 में मैंने अपनी गर्लफ्रेंड को पीछे

छोड़ दिया है'। इसके साथ उन्होंने रिंग और रेड हार्ट इमोजी पोस्ट किया है।

सेलेब्स ने दीं शुभकामनाएं

अयान और टीना की सगाई पर सेलेब्स ने बधाई दी है। अयान अग्निहोत्री की दोनों एक्स मामी, मलाइका अरोड़ा और सीमा सजदेह ने भी शुभकामनाएं दी हैं। मलाइका अरोड़ा की शादी अयान के मामा अरबाज खान से हुई थी, लेकिन अब दोनों का तलाक हो चुका है। वहीं, सीमा सजदेह की शादी सोहेल खान से हुई थी, उनका भी तलाक हो चुका है। मलाइका अरोड़ा ने रेड हार्ट इमोजी बनाकर कमेंट लिखा है, 'यानी, टीना'। वहीं, सोनाक्षी सिन्हा ने लिखा है, 'ओएमजी। बहुत बधाई हो दोनों को।

हार्दिक पांड्या का 'Power Hitting' Show! एक ओवर में 5 छक्के, 93 गेंदों में बनाए 133 रन

नई दिल्ली। शनिवार को विजय हजारे ट्रॉफी के मैच में विदर्भ के खिलाफ बड़ौदा की ओर से खेलते हुए भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने अपनी दमदार बल्लेबाजी और सटीक बल्लेबाजी का शानदार प्रदर्शन करते हुए 93 गेंदों में 133 रन बनाए जिसमें एक ओवर में लगाए गए पांच छक्के शामिल हैं। पांड्या ने कुल 11 छक्के और आठ चौके लगाकर विदर्भ पर पलटवार किया। विदर्भ ने पहले पहर में बड़ौदा को 71 रन पर पांच विकेट और फिर 136 रन पर छह विकेट पर रोककर मैच पर अपना दबदबा कायम कर लिया था। टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में नंबर 7 पर बल्लेबाजी करते हुए पांड्या ने आक्रामक शुरुआत की और अपने 119वें मैच में अपना पहला लिस्ट ए शतक पूरा किया। पांड्या ने बड़ौदा

को 50 ओवरों में 293 रन पर नौ विकेट के प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया।

इस शानदार क्रिकेटर के लिए यह उपलब्धि लंबे समय बाद हासिल हुई, जिन्होंने अपनी फिनिशिंग क्षमता का प्रदर्शन करते हुए लड़खड़ाती पारी को संभाला। दबाव झेलते हुए भी उच्च स्ट्राइक रेट बनाए रखने की उनकी क्षमता ने आधुनिक सीमित ओवरों की बल्लेबाजी का बेहतरीन उदाहरण पेश किया। 39वें ओवर में, पांड्या ने विदर्भ के स्पिनर पार्थ रेखादे पर हमला बोलते हुए कुल 34 रन बनाए, जिसमें पांच छक्के और एक चौका शामिल था। मैदान का माहौल बेहद रोमांचक था क्योंकि रेखादे पांड्या के लिए कोई उपयुक्त लेंथ ढूंढने में नाकाम रहे।

बाएं हाथ के स्पिनर की शुरुआती पांच गेंदें छक्कों के पार गईं, जबकि आखिरी गेंद पर चौका लगा। पांड्या की पारी में केवल 31 सिंगल शामिल थे क्योंकि उन्होंने जवाबी हमला बोलते हुए अपने अधिकांश छक्के मिडविकेट क्षेत्र और लॉन्ग-ऑन के ऊपर लगाए। कुछ छक्के लॉन्ग-ऑफ के ऊपर से भी गए, जो उनकी अविश्वसनीय ताकत और पहुंच को दर्शाते हैं। पांड्या के दबदबे का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि बड़ौदा की पारी में दूसरे सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज विष्णु सोलंकी थे, जिन्होंने 26 रन बनाए।

स्कोर में यह बड़ा अंतर दर्शाता है कि यह प्रदर्शन पूरी तरह से एक अकेले खिलाड़ी का कमाल था। जहां उनके साथी खिलाड़ियों को पिच और विपक्षी टीम की अनुशासित गेंदबाजी को समझने में मुश्किल हो रही थी, वहीं पांड्या मानो किसी दूसरी ही पिच पर खेल रहे थे। जब वे अंततः आउट हुए, तब तक उन्होंने न केवल पारी को संभाला था, बल्कि बड़ौदा टीम में यह विश्वास भी जगा दिया था कि जीत का स्कोर उनके हाथ में है।

एशेज सीरीज से पहले एशेज सीरीज का बड़ा बयान, एशेज सीरीज की अफवाहों पर लगाया फुल स्टॉप

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया की मौजूदा एशेज सीरीज में कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ ने 4 जनवरी से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम एशेज टेस्ट से पहले संन्यास की अटकलों को खारिज कर दिया। क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ लाल गेंद के बल्लेबाजों में गिने जाने वाले स्मिथ के फॉर्म में हाल के वर्षों में गिरावट आई है। स्मिथ का औसत 2014, 2015, 2016, 2017 और 2019 में 70 से अधिक था। हालांकि स्मिथ का औसत 2021, 2022 और 2025 में 50 से अधिक रहा, लेकिन उन्होंने उस तरह का प्रभाव नहीं दिखाया जिसने शुरू में उनकी प्रतिष्ठा को परिभाषित किया था, जिससे संन्यास की अटकलें लगने लगीं।

हालांकि, सिडनी टेस्ट से पहले बोलते हुए, स्मिथ ने कहा कि वह अपने करियर को दिन-प्रतिदिन, सीरीज-दर-सीरीज आगे बढ़ा रहे हैं और उन्होंने कोई समाप्ति तिथि निर्धारित नहीं की है, साथ ही उन्होंने कहा कि उन्हें खेलना, योगदान देना और आनंद लेना अच्छा लग रहा है। स्मिथ ने शनिवार को मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मुझे नहीं पता। मुझे नहीं पता कि इस हफ्ते के अंत में मैं क्या कर रहा हूँगा। मैं यह बात काफी समय से कह रहा हूँ। मैं हर दिन, हर सीरीज के हिसाब से चल रहा हूँ। देखते हैं क्या होता है। फिलहाल मुझे लगता है कि मैं ठीक हूँ। मुझे मजा आ रहा है। मैं टीम में अपना योगदान दे रहा हूँ और आनंद ले रहा हूँ। मेरे लिए कोई निश्चित समय सीमा नहीं है। मैं अभी भी खेल रहा हूँ। मुझे मजा आ रहा है।

स्मिथ ने पिछले कुछ वर्षों में टीम के सामूहिक प्रयासों की सराहना की, एक वरिष्ठ खिलाड़ी के रूप में युवा साथियों के मार्गदर्शन में अपनी भूमिका पर प्रकाश डाला और हाल ही में टीम की सफलता में योगदान देने वाले सभी खिलाड़ियों के योगदान पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि हमारे पास एक बहुत अच्छी टीम है। पिछले तीन-चार सालों में हमने जो टीम बनाई है, जिसमें दो बार विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचना शामिल है।

शुभमन गिल की कप्तानी में खेलेंगे रोहित और विराट, न्यूजीलैंड सीरीज के लिए हुआ टीम का चयन, सिराज-श्रेयस की वापसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। शुभमन गिल कप्तानी करेंगे, वहीं रोहित और विराट कोहली भी टीम में शामिल होंगे। ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को उनके कार्यभार को ध्यान में रखते हुए टीम में नहीं चुना गया है, और श्रेयस अय्यर की फिटनेस जांच अनिवार्य है। यह उल्लेखनीय है कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच बहु-प्रारूपीय श्वेत-गेंद सीरीज होगी। दोनों टीमें तीन वनडे और पांच टी20 मैचों में एक-दूसरे से भिड़ेंगी। खास बात यह है कि बीसीसीआई ने पहले ही भारत की टी20 टीम की घोषणा कर दी थी और अब वनडे टीम की भी घोषणा कर दी है। यह दिलचस्प है कि श्रेयस अय्यर को वनडे सीरीज के लिए उप-कप्तान बनाया गया है, लेकिन सीरीज में उनका चयन उनकी फिटनेस जांच पर निर्भर करेगा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में अय्यर

चोटिल हो गए थे और तब से टीम से बाहर हैं। इसके अलावा, केएल राहुल, रविंद्र जडेजा, हर्षित राणा, ऋषभ पंत और कई अन्य स्टार खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया गया है।

टीम में जिन बड़े नामों की कमी खल रही है, उनमें से एक ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या का नाम है। स्टार खिलाड़ी हार्दिक पांड्या को वनडे सीरीज के लिए नहीं चुना गया है, क्योंकि बीसीसीआई की टीम ऑफ इंजीनियर्स ने उन्हें अभी तक एक मैच में 10 ओवर गेंदबाजी करने की अनुमति नहीं दी है। टी20 विश्व कप नजदीक आ रहा है, इसलिए बोर्ड चाहेगा कि वह इस बड़े टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह फिट हों।

भारत की वनडे टीमः शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान)ङ, वाशिंगटन सुंदर, रविंद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जायसवाल।

केकेआर के बांग्लादेशी खिलाड़ी को टीम में लेने के बाद शाहरुख खान विवादों के घेरे में आये

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने शनिवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के निर्देश पर इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी सत्र से पहले बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को अपनी टीम से रिलीज कर दिया। बीसीसीआई ने भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय संबंधों में बढ़ते तनाव के मद्देनजर यह कदम उठाया। पिछले महीने खिलाड़ियों की नीलामी में केकेआर ने बाएं हाथ के तेज गेंदबाज रहमान को 9.20 करोड़ रुपये में खरीदा था। उनका आधार मूल्य दो करोड रुपए था। चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के साथ कड़ी बोली प्रक्रिया के बाद केकेआर इस 30 वर्षीय गेंदबाज को अपनी टीम से जोड़ने में सफल रहा था।

बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान अपनी आईपीएल टीम केकेआर में बांग्लादेशी खिलाड़ी मुस्ताफिजुर रहमान को शामिल करने के फैसले को लेकर बढ़ते विवाद के घेरे में आ गए हैं, जिसमें कई पक्ष उनकी आलोचना कर रहे हैं जबकि कुछ का कहना है कि अभिनेता को उनकी मुस्लिम पहचान के कारण निशाना बनाया जा रहा है। भाजपा और शिवसेना के नेताओं ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों को देखते हुए वे रहमान को आईपीएल में खेलने नहीं देंगे।

वहीं, विपक्षी दल कांग्रेस के नेता भाई जगताप ने खान का समर्थन करते हुए कहा कि यह विवाद "भाजपा-आरएसएस की दोहरी नीति" का सबूत है, क्योंकि भारत अब भी पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलता है। भाजपा नेता संगीत सोम ने कहा, "बांग्लादेश में हिंदुओं को प्रताड़ित किया जा रहा है, उनकी हत्या की जा रही है, उन्हें उनके घरों से निर्वस्त्र अवस्था में निकाला जा

रहा है और पीटा जा रहा है... वहां के खिलाड़ियों को खरीदना देशद्रोह है।"

शाहरुख खान जैसे लोग गद्दार हैं।" शिवसेना नेता कृष्ण हेगड़े ने कहा कि पार्टी का रुख हमेशा से यही रहा है कि हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार करने वाले या भारत में आतंकवादी हमले में शामिल जगहों के किसी भी खिलाड़ी को भारत में खेलने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा, "हम आईपीएल शासी निकाय और बीसीसीआई से इन खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध करेंगे... वे बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार करके भारत से आतिथ्य सत्कार, लाभ और धन का आनंद नहीं ले सकते।"

आध्यात्मिक गुरु रामभद्राचार्य ने भी शाहरुख खान की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया, "यह दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन वह ऐसा करेंगे क्योंकि उन्हें हीरो माना जाता है। शाहरुख खान का रवैया हमेशा से राष्ट्र के विपरीत रहा है। उनका चरित्र हमेशा से ही संदिग्ध और राष्ट्रविरोधी रहा है।" कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने सुझाव दिया कि केकेआर प्रबंधन को बांग्लादेशी क्रिकेटर को टीम से हटा देना चाहिए और नीलामी की राशि 'भारत में हिंदू पीड़ितों के रिश्तेदारों' को दान कर देनी चाहिए। ठाकुर ने कहा, "हम बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचारों को नजरअंदाज नहीं कर सकते।" शाहरुख खान के समर्थन में भी आवाजें उठीं।

कांग्रेस नेता जगताप ने कहा, "शाहरुख खान को इसलिए निशाना बनाया जा रहा है, क्योंकि वह मुस्लिम हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भी हम पाकिस्तानी क्रिकेटरों के साथ क्रिकेट खेलते हैं। यह भाजपा-आरएसएस की दोहरी नीति है।" उन्होंने कहा कि शाहरुख खान खुद टीम का चयन नहीं करते। कांग्रेस नेता ने कहा, "टीम चयन की एक प्रक्रिया होती है और मैंने कभी शाहरुख खान को उस प्रक्रिया में शामिल होते नहीं देखा। जूही चावला और उनके पति उस प्रक्रिया में शामिल होते हैं, क्योंकि वे साझेदार हैं। ऐसा नहीं है कि शाहरुख खान बांग्लादेश और पाकिस्तान जाकर खिलाड़ियों का चयन करते हैं।"

उन्होंने कहा कि सब कुछ आईसीसी की सहमति से होता है। तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष के अनुसार, हर मुद्दे का राजनीतिकरण करना जरूरी नहीं है। उन्होंने पूछा, "शाहरुख खान को निशाना बनाकर उन्हें क्या हासिल होगा?" समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी ने भी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) में बांग्लादेशी खिलाड़ी को शामिल किए जाने पर मचे बवाल पर सवाल उठाया। आजमी ने कहा, "जिस खिलाड़ी को उन्होंने टीम में शामिल किया है, क्या उसने कभी हिंदुओं को नुकसान पहुंचाया है? साफ शब्दों में कहूं तो सरकारें ही नफरत फैलाती हैं।

बांग्लादेश की शेख हसीना, जिन्हें मौत की सजा सुनाई गई थी, अब कहां हैं? उन्हें हमारे देश में रहने की इजाजत दी गई है। फिर तस्लीमा नसरीन का मामला है... इन सभी मुद्दों को देखकर साफ हो जाता है कि यह सब सिर्फ लोगों में नफरत फैलाने के लिए किया जा रहा है।" उत्तर प्रदेश में कांग्रेस नेताओं ने सरकार पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए सवाल किया कि भारत ने अपदस्थ बांग्लादेशी प्रधानमंत्री को शरण क्यों दी है और ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच क्यों खेला गया।

कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय ने पीटीआई- से कहा, "केंद्र और उत्तर प्रदेश दोनों जगह भाजपा सत्ता में है, तो फिर जिम्मेदारी शाहरुख खान पर कैसे डाली जा सकती है? खान इसके लिए जिम्मेदार कैसे हो सकते हैं!" कांग्रेस प्रवक्ता अखिलेश प्रताप सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पूरा देश पाकिस्तान के साथ मैच नहीं चाहता था, फिर भी मैच खेले गए।

सिंह ने सवाल किया, भारत ने बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री (शेख हसीना) को शरण क्यों दी है? बांग्लादेश के मयमनसिंह शहर में कथित ईशनिंदा के आरोप में 18 दिसंबर को दीपू चंद्र दास नामक 25 वर्षीय हिंदू व्यक्ति की भीड़ ने पीट-पीटकर हत्या कर दी और उसके शरीर को आग लगा दी थी। एक सप्ताह बाद, 24 दिसंबर को, राजबारी कस्बे के पांगशा में जबरन वसूली के आरोप में अमृत मंडल नामक एक अन्य हिंदू व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी।

शुभमन गिल के विजय हजारे ट्रॉफी मैच के लिए आम जनता को अनुमति नहीं

नई दिल्ली। विराट कोहली ने विजय हजारे ट्रॉफी के अपने दोनों मैच 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (सीओई) में दर्शकों के बिना खेला था, उसी तरह शनिवार को जयपुरिया कॉलेज के मैदान पर सिक्किम के खिलाफ पंजाब के लिए भारतीय वनडे कप्तान शुभमन गिल के

मैच के दौरान भी दर्शकों को स्टेडियम में आने की अनुमति नहीं होगी।

बीसीसीआई के निर्देशानुसार भारतीय कप्तान और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह तीन और छह जनवरी को सिक्किम और गोवा के खिलाफ पंजाब के अगले दो विजय हजारे ट्रॉफी मैच खेलेंगे।

गोवा के खिलाफ मैच केएल सैनी स्टेडियम में होगा जबकि सिक्किम के खिलाफ स्थानीय कॉलेज के मैदान पर होने वाला मैच सुरक्षा कारणों और दर्शकों के लिए बैठने की व्यवस्था नहीं होने के कारण दर्शकों के बिना खेला जायेगा। बीसीसीआई के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर 'पीटीआई' से कहा, "छात्रों और कर्मचारियों को परिसर के अंदर आने की अनुमति है, लेकिन निजी बाउंसरों सहित पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी। कॉलेज परिसर में किसी भी बाहरी व्यक्ति को प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।"

उन्होंने कहा, "मैच का कार्यक्रम बहुत पहले ही तय कर लिया गया था। रोहित शर्मा की वजह प्रशंसकों में उत्साह को देखते हुए, मुंबई का मैच अनंतम स्टेडियम से सवाई मान सिंह स्टेडियम में स्थानांतरित करना पड़ा था।"

कोहली और रोहित शर्मा के मैचों की तरह गिल का मैच भी टीवी पर या 'लाइव स्ट्रीम' नहीं किया जायेगा। गिल और अर्शदीप दोनों के शुक्रवार देर रात तक यहां पहुंचने की उम्मीद है।

बीसीसीआई सूत्र ने कहा, "गिल और अर्शदीप को शाम तक पहुंचना था, लेकिन उत्तर भारत में खराब मौसम के कारण उनकी उड़ान में विलंब हुआ है। मौसम अनुकूल रहने पर वे देर रात तक पहुंच जाएंगे।

पश्चिम रेलवे

सामग्री प्रबंधन विभाग

विभिन्न सामग्रियों की आपूर्ति

ई-प्रोक्योरमेंट टेंडर सूचना संख्या एस/01/2026 दिनांक 01.01.2026

क्र.सं.	आइटम का संक्षिप्त विवरण	मात्रा	टी.ओ.डी.
1	माउंटिंग व्यवस्था के साथ बैटरी बॉक्स का सेट	83 Set	10-Feb-26
2	रेलवे S&T के लिए कम रखरखाव वाले लेड एसिड सेकेंडरी सेल, क्षमता 2V/80 AH	6200 Nos	05-Feb-26
3	उच्च तन्यता संक्रमण	182 Nos	05-Feb-26
4	व्हील सेट के लिए कार्बन बुश असेंबली	9205 Nos	03-Feb-26
5	मेंटेनेंस फ्री VRLA बैटरी का सेट 48V-200AH	103 Set	02-Feb-26
6	VRLA वाल्व रेगुलेटेड (सील्ड) लेड एसिड बैटरी क्षमता-2V 300AH	9600 Nos	29-Jan-26

शुद्धिपत्र

कृपया टेंडर नोटिस संख्या एस-72-2025 दिनांकः 08.12.2025 के लिए क्रम संख्या 761 पर अंतिम तिथि '12.01.2026' पढ़ें।

विस्तृत नोटिस, EMD, खरीद प्रतिबंध और विस्तृत टेंडर शर्तों के संबंध में, कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in और wr.indianrailways.gov.in पर जाएं।

0971

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

वडोदरा मंडल

OHE संशोधन कार्य

'ई' टेंडर सूचना सं इएल-टीआरडी-टेंडर-25-26-23 भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (कर्षण वितरण) वडोदरा द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिये मुहरबंद निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। **निविदा संख्या और कार्य का नाम: इएल-टीआरडी-टेंडर-25-26-23** विश्वमित्री और पालेज में एफओबी (फुट ओवर ब्रिज) की व्यवस्था से संबंधित ओएचई संशोधन कार्य और वडोदरा यार्ड और इलेक्ट्रिक लोको शेड में ओएचई कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत (रु):** ₹ 1,78,43,714/- **बोली प्रतिभूति (रु):** ₹ 2,39,200/- **निविदा की राशि एवं कार्य समापन की अवधि:** कार्य समापन की अवधी 18 माह **निविदा की समय सारणी:** निविदा बंद होने का दिनांक एवं समय 02/02/2026 15-00 बजे **वेबसाइट विवरण और सूचना का लोकेशन जहां पूर्ण विवरण देखा जा सकता है तथा कार्यालय का पता विवरण जानकारी के लिये:** मंडल रेल प्रबंधक (कर्षण वितरण) पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वड़ोदरा - 390004 **वेबसाइट विवरण www.ireps.gov.in**

BRC 304

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

SP विधायक रईस शेख का 'लेटर बम', अबू आजमी पर पार्टी को कमजोर करने का आरोप, अखिलेश यादव से एक्शन की मांग

दिव्यांश
मुंबई(संवाददाता)

महाराष्ट्र नगर निगम चुनावों से पहले, पार्टी के भीतर नए सिरे से अशांति फैल गई है। समाजवादी पार्टी (एसपी) के विधायक रईस शेख ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को पत्र लिखकर महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष अबू आज़मी की गतिविधियों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। शेख ने पत्र में आज़मी पर जानबूझकर उन्हें परेशान करने और पार्टी में भारी व्यवधान पैदा करने का आरोप लगाया है, जिससे विशेष रूप से भिवंडी और मुंबई में होने वाले आगामी नगर निगम चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन पर असर पड़ा है। पत्र में रईस शेख ने आरोप लगाया है कि अबू आज़मी ने भिवंडी और मुंबई नगर निगम चुनावों में मनमाने ढंग से टिकट वितरण किया है।

शेख का दावा है कि आजमी पार्टी कार्यकर्ताओं और संभावित उम्मीदवारों के हितों की अनदेखी करते हुए मनमानी कर रहे हैं।' विधायक के अनुसार, इस कुप्रबंधन से 'पार्टी सदस्यों में असंतोष पैदा हो रहा है और इन महत्वपूर्ण चुनावों में पार्टी की संभावनाएं धूमिल हो रही हैं। शेख आगे कहते हैं कि आजमी की सार्वजनिक टिप्पणियों ने चिंताएं बढ़ा दी हैं। खबरों के मुताबिक, वह दावा कर रहे हैं कि 'उन्हें कोई नहीं रोक सकता।' शेख के अनुसार, जवाबदेही के बिना अहंकार और सत्ता का यह बढ़ता भाव 'महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी के भीतर एकता और अनुशासन के लिए हानिकारक है। रईस शेख के पत्र में आज़मी के कार्यों के नगर निगम चुनावों में पार्टी की स्थिति पर पड़ने वाले प्रत्यक्ष प्रभावों पर प्रकाश डाला गया है। शेख ने बताया कि आंतरिक कलह पार्टी के समन्वय और मनोबल को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रही है, विशेषकर भिवंडी और मुंबई के पार्टी सदस्यों के बीच।

विधायक के अनुसार, इससे नगर निगम चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन को गंभीर नुकसान हो सकता है, जिन्हें महाराष्ट्र में पार्टी की राजनीतिक शक्ति की एक महत्वपूर्ण परीक्षा के रूप में देखा जा रहा है। रईस शेख ने अबू आज़मी से उनके कार्यों और बयानों के संबंध में तत्काल स्पष्टीकरण की मांग की है। अपने पत्र में शेख ने अखिलेश यादव से आग्रह किया है कि वे स्थिति को और बिगड़ने से पहले हस्तक्षेप करें और इसे संभालें। उन्होंने जोर देकर कहा कि 'पार्टी इस तरह के दुर्व्यवहार को अनदेखा नहीं कर सकती, क्योंकि इससे पार्टी कार्यकर्ताओं और जनता दोनों का विश्वास ठेस पहुंच सकती है।

दिल्ली में अंतरराज्यीय हथियार तस्कर गिरफ्तार, दो पिस्तौल बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने नगर के शास्त्री पार्क इलाके से हथियारों के एक कथित तस्कर को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि आरोपी के पास से दो अत्याधुनिक पिस्तौल और छह कारतूस बरामद किए गए हैं।

अधिकारी के अनुसार, आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद निवासी अंकित (26) उर्फ मुन्ना के रूप में हुई है, जो कथित तौर पर एक अंतरराज्यीय तस्करी गिरोह से जुड़ा है।

पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपी ने खुलासा किया कि जेल से छूटने के बाद उसने अवैध हथियारों का धंधा शुरू किया और वह दिल्ली-एनसीआर में हथियारों की आपूर्ति कर रहा था। उसने यह भी बताया कि दो सोनू उर्फ काले नामक एक अन्य तस्कर से हथियार मिलता था।

पुलिस के अनुसार, अंकित एक आदतन अपराधी है जिसके खिलाफ पहले से छह आपराधिक मामले दर्ज हैं। इन मामलों में हत्या, लूटपाट, शस्त्र अधिनियम का उल्लंघन और उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम के तहत दर्ज अपराध शामिल हैं।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) आदित्य गौतम ने बताया कि दो जनवरी को शास्त्री पार्क मेट्रो स्टेशन के पास एक हथियार तस्कर के आने की पुख्ता सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस टीम ने इलाके में जाल बिछाया।

अधिकारी ने बताया, संदिग्ध वहां ऑटो-रिक्शा से पहुंचा और मुखबिर की निशानदेही पर उसकी पहचान की गई। उसने गिरफ्तारी से बचने का प्रयास किया लेकिन उसे पकड़ लिया गया।

पुलिस ने बताया कि तलाशी के दौरान उसके पास से दो अत्याधुनिक पिस्तौल और छह कारतूस बरामद हुए। इस संबंध में शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने का प्रयास कर रही है।

चुनावी महासफर

वार्ड 110 में जीत की आंधी तय

लाडली बहनों, युवाओं और विकास के साथ श्रीमती जेनी शर्मा मैदान में BMC चुनाव : जनता के सवालों पर BJP प्रत्याशी ने दिए बेबाक जवाब

मुंबई। मुंबई महानगर पालिका चुनाव की सरगर्मियां अब अपने चरम पर हैं। शहर के वार्ड नंबर 110 में चुनावी माहौल बेहद गरम है। गलियों से लेकर चौपालों तक राजनीति पर चर्चा जोरों पर है। सड़क, पानी, सीवर, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार जैसे मुद्दे जनता के केंद्र में हैं।

इन्हीं सवालों के बीच जब भारतीय जनता पार्टी की नगरसेवक प्रत्याशी श्रीमती जेनी शर्मा से जनता ने सीधे सवाल किए, तो उन्होंने आत्मविश्वास के साथ कहा–

'लाडली बहनों के आशीर्वाद और युवाओं के मजबूत समर्थन से हमारी जीत निश्चित है।'

प्रश्न : आपके वार्ड की सबसे बड़ी समस्या क्या है और समाधान कैसे करेंगी?

उत्तर : वार्ड 110 की सबसे बड़ी समस्या पानी की सप्लाई, सीवर और ड्रेनेज है। जल संकट गंभीर विषय है। हम तकनीकी सुधार के साथ-साथ नागरिकों को जल संरक्षण और जल के सदुपयोग के लिए जागरूक करेंगे।

प्रश्न : सड़कों के गड्ढे और फुटपाथ की स्थिति सुधारने के लिए क्या अलग करेंगी?

उत्तर :

वार्ड 110 की सभी प्रमुख सड़कों का 100इ सीमेंट कंक्रीट (CC रोड) से निर्माण होगा। आंतरिक सड़कों और फुटपाथों का कार्य भी पूरा किया जाएगा।

पैदल यात्रियों की सुरक्षा के लिए फुटपाथ रेलिंग लगाई जाएगी, जिससे अवैध फेरीवालों और अनधिकृत पार्किंग पर नियंत्रण होगा।

प्रश्न : बारिश में जलभराव रोकने के लिए आपकी योजना क्या है?

उत्तर :

वार्ड में 100% गटर और ड्रेनेज कार्य पूर्ण किया जाएगा। नालों की डी-सिल्टिंग, प्री-मानसून प्लानिंग और सतत निगरानी से जलभराव की समस्या को जड़ से समाप्त किया जाएगा।

प्रश्न : स्कूल, अस्पताल और स्वास्थ्य सेवाओं पर आपकी प्राथमिकता?

उत्तर :

मनपा स्कूलों में प्ले-ग्राउंड, बैडमिंटन व फुटबॉल कोर्ट, आधुनिक लैब और पुस्तकालय विकसित किए गए हैं।

विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए CCTV कैमरे जहाँ नही लगे है वहाँ लगाए जायेंगे।

मैदान में सभी खेल सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी और उनका रखरखाव हमारी प्राथमिकता है।

प्रश्न : युवाओं के लिए रोजगार और स्किल ट्रेनिंग पर क्या प्लान है?

उत्तर :

स्किल डेवलपमेंट सेंटर की स्थापना

रोजगार मेलों का आयोजन

लाडली बहन योजना से जुड़ी KYC और अन्य समस्याओं का समाधान,

युवाओं के लिए जनसंपर्क कार्यालय में विशेष सहायता व्यवस्था।

प्रश्न : BMC फंड के पारदर्शी उपयोग को कैसे सुनिश्चित करेंगी?

उत्तर :

सभी वर्क ऑर्डर मेरी वेबसाइट पर सार्वजनिक किए जाएंगे।

विपक्ष द्वारा किए गए कई टेंडर घोटालों को उजागर कराया जायेगा।

मैं भ्रष्टाचार के खिलाफ हूं और मुंबईकरों के पैसे को ईमानदार से उपयोग के लिए प्रतिबद्ध हूं।

प्रश्न : जनता से संपर्क कैसे रहता है?

उत्तर :

मैं लगभग प्रतिदिन जनसंपर्क कार्यालय में जनता से मिलती हूं।

मोबाइल, ई-मेल, व्हाट्सएप, सोशल मीडिया और 24×7 हेल्पलाइन के माध्यम से लगातार संपर्क में रहती हूं।

प्रश्न : यदि काम नहीं किया तो जनता आपको कैसे जवाबदेह ठहराए?

उत्तर :

जनता जनार्दन है। उनका आदेश मेरे लिए सर्वोपरि है। जनता ने मौका दिया है तो पूरा हिसाब भी जनता को दूंगी।

प्रश्न : आप वार्ड 110 के लिए सबसे अच्छी उम्मीदवार क्यों हैं?

उत्तर : मोदी सरकार, देवेंद्र फडणवीस सरकार, लाडली बहनों के आशीर्वाद और युवाओं के साथ से हमारी जीत निश्चित है।

मैं हमेशा जनता के बीच रही हूं–चाहे नागरिक समस्या हो, चिकित्सा, शिक्षा, सामाजिक या धार्मिक।

इसी विश्वास और सेवा के आधार पर मुझे पूर्ण विश्वास है कि वार्ड 110 के लिए मैं सबसे सक्षम और योग्य उम्मीदवार हूं।

वार्ड 110 में विकास, पारदर्शिता और जनसेवा का भरोसा श्रीमती जेनी शर्मा के साथ साफ दिखाई दे रहा है।

जनता का मूड स्पष्ट है–

'काम पर वोट, विकास पर विश्वास।'

पाकिस्तानी विदेश मंत्री चीन रवाना, दोनों देश रिश्तों और सहयोग की करेंगे समीक्षा

पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार शनिवार को बीजिंग के लिए रवाना हुए। वे 4 जनवरी को होने वाले पाकिस्तान-चीन विदेश मंत्रियों के रणनीतिक वार्ता के सातवें दौर की सह-अध्यक्षता करेंगे।विदेश कार्यालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि डार चीनी विदेश मंत्री वांग यी के निमंत्रण पर चीन जा रहे हैं। बयान में यह भी कहा गया है कि वे 2026 में चीन की यात्रा करने वाले पहले विदेशी गणमान्य व्यक्ति होंगे। रणनीतिक वार्ता की संयुक्त अध्यक्षता डार और वांग यी करेंगे।

विदेश कार्यालय ने कहा कि आगामी वार्ता में पाकिस्तान और चीन के बीच द्विपक्षीय संबंधों की व्यापक समीक्षा की जाएगी, सहयोग बढ़ाने के अवसरों का पता लगाया जाएगा और साझेदारी के नए रास्ते तलाशे जाएंगे। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, इन वार्ताओं से दोनों देशों की 'हर मौसम में कायम रहने वाली रणनीतिक सहयोगात्मक साझेदारी' को और मजबूती मिलने की उम्मीद है, जिसे लंबे समय से क्षेत्रीय कूटनीति का आधार माना जाता रहा है।

इससे पहले, विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान-चीन विदेश मंत्रियों के रणनीतिक संवाद को दोनों देशों के बीच सर्वोच्च स्तरीय परामर्श मंच बताया था। यह मंच द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं का आकलन करने के लिए एक व्यवस्थित मंच प्रदान करता है, साथ ही साझा हित के क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर चर्चा करने में भी सक्षम बनाता है। संवाद के दौरान, दोनों पक्षों द्वारा पाकिस्तान और चीन के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में कई पहलों और स्मारक कार्यक्रमों की घोषणा किए जाने की उम्मीद है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्षगांठ को दशकों के घनिष्ठ राजनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक संबंधों का प्रतीक माना जा रहा है।

विदेश मंत्रालय ने आगे कहा कि दार की यात्रा इस्लामाबाद और बीजिंग के बीच नियमित उच्च स्तरीय आदान-प्रदान का हिस्सा है और दोनों देशों के बीच साझेदारी को और व्यापक और गहरा बनाने के साझा संकल्प को रेखांकित करती है। यह यात्रा क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए पाकिस्तान और चीन की पारस्परिक प्रतिबद्धता की भी पुष्टि करती है।

मेरे दोस्त मादुरो को तुरंत रिहा करो वरना...अमेरिका को तानाशाह किम जोंग की सीधी चेतावनी

वांशिगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को घोषणा की कि अमेरिका ने वेनेजुएला पर हमला कर उसके लंबे समय से सत्ता में काबिज निरंकुश राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पद से हटा दिया है। 1989 में पनामा पर आक्रमण के बाद लैटिन अमेरिका में वाशिंगटन का यह सबसे सीधा हस्तक्षेप है। ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पोस्ट में कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने वेनेजुएला और उसके नेता, राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के खिलाफ सफलतापूर्वक एक बड़ा हमला किया है। मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़ लिया गया है और देश से बाहर भेज दिया गया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम वेनेजुएला के लोगों के साथ अपनी एकजुटता की पुष्टि करते हैं और देश के राष्ट्रीय हितों और संप्रभुता की रक्षा के लिए उसके बोलिवेरियन नेतृत्व द्वारा अपनाए गए मार्ग के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करते हैं।

अमेरिका के हमले के बाद रूस, चीन भी हरकत में आ गए हैं। रूस की तरफ से बयान जारी किया गया है। रूस के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को वेनेजुएला के खिलाफ अमेरिका द्वारा की गई सशस्त्र आक्रामकता की निंदा की और संयम बरतने का आग्रह करते हुए राजधानी काराकास में तड़के हुए सिलसिलेवार विस्फोटों के बाद स्थिति को और बिगड़ने से रोकने की चेतावनी दी। वहीं चीन ने आपातकात मीटिंग बुलाई। इन सब के बीच नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन का भी बयान सामने आया है। किम जोंग उन ने अमेरिका को सीधी धमकी दे डाली है। उत्तर कोरियाई तानाशाह ने कहा कि वेनेजुएला के राष्ट्रपति को तुरंत रिहा किया जाए। इसके साथ ही अमेरिका को धमकाते हुए किम जोंग ने कहा कि ऐसा नहीं करने पर गंभीर वैश्विक परिणाम होंगे।

निकोलस मादुरो पर न्यूयॉर्क में मुकदमा चलेगा

अमेरिकी अटॉर्नी जनरल पाम बोंडी ने खुलासा किया कि 'गिरफ्तार' वेनेजुएला के राष्ट्रपति पर न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले में अभियोग लगाया जाएगा। मादुरो पर मादक पदार्थों से संबंधित आतंकवाद की साजिश रचने, कोकीन आयात की साजिश रचने, मशीनगन और विनाशकारी उपकरण रखने और अमेरिका के खिलाफ मशीनगन और विनाशकारी उपकरण रखने की साजिश रचने के आरोप हैं। उन्हें जल्द ही अमेरिकी धरती पर अमेरिकी अदालतों में अमेरिकी न्याय के पूरे प्रकोप का सामना करना पड़ेगा। पूरे अमेरिकी न्याय विभाग की ओर से, मैं राष्ट्रपति ट्रम्प को अमेरिकी जनता की ओर से जवाबदेही की मांग करने का साहस दिखाने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं, और हमारे बहादुर सैनिकों को भी बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने इन दो कथित अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करों को पकड़ने के अविश्वसनीय और बेहद सफल अभियान को अंजाम दिया।

मादुरो पर अमेरिका में मुकदमा चलेगा

रिपब्लिकन सीनेटर माइक ली ने बीबीसी को बताया कि विदेश मंत्री मार्को रुबियो से फोन पर बातचीत के बाद उन्हें पता चला है कि मादुरो पर अमेरिकी आपराधिक अदालतों में मुकदमा चलेगा। हालांकि, यह कहा जा रहा है कि अमेरिका वेनेजुएला के खिलाफ कोई और कार्रवाई नहीं करेगा। ली ने आगे कहा कि मादुरो के अमेरिकी हिरासत में होने के बाद रुबियो को वेनेजुएला में कोई और कार्रवाई की उम्मीद नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि गिरफ्तारी वारंट को लागू करने में मदद के लिए सैन्य कार्रवाई की गई थी। दिन की शुरुआत में, ली ने सवाल उठाया कि क्या सैन्य कार्रवाई संवैधानिक थी।

हाथ काट देंगे...अमेरिका-ईरान में 'धमकियों का वॉर', सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव और ट्रंप भिड़े

वांशिगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर ईरान में और प्रदर्शनकारियों की हत्या होती है तो वाशिंगटन जवाबी कार्रवाई के लिए पूरी तरह तैयार है। यह बयान ईरान में महंगाई को लेकर हो रहे प्रदर्शनों के हिंसक रूप लेने के बाद आया है। ईरान के कई शहरों में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़प हुई, जिसमें छह लोगों के मारे जाने की खबर है। अशांति बढ़ने के बाद ये पहली मौतें हैं। इन प्रदर्शनों के बीच ट्रंप और ईरानी शीर्ष अधिकारियों के बीच तीखी बयानबाजी हुई है। ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर ईरान ने शातिपूर्ण प्रदर्शनकारियो की हिसक हत्या की, तो अमेरिका हस्तक्षेप करेगा। इसके जवाब में ईरान की सुप्रीम नैशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव अली लारीजानी ने कहा कि अमेरिका के लोगों को पता होना चाहिए कि ट्रंप ने दुस्साहस शुरू किया है। उन्हें अपने सैनिको का ख्याल रखना चाहिए। सुप्रीम लीडर खामेनेई के सलाहकार अली शामखानी ने चेतावनी दी कि कोई भी दखल देने वाला हाथ जो ईरान की सुरक्ष के बहुत करीब आएगा, उसे काट दिया जाएगा। ईरानियों ने अच्छे से देखा है कि ऊए ने कैसे गाजा से अफगानिस्तान तक लोगों को बचाया।

आर्थिक मुद्दे से शुरू हुए ये प्रदर्शन अब सीधे तौर पर ईरान की धार्मिक सत्ता के खिलाफ नारेबाजी तक पहुंच गए है। ईरान के कई शहरों और गांवों में प्रदर्शन हो रहे हैं। खासकर ग्रमीण और छोटे शहरों में, जहां लुर समुदाय रहता है, वहां गुस्सा ज्यादा देखने को मिल रहा है। जून में इस्राइल के साथ हुए 12 दिन के युद्ध और अमेरिकी हमलों के बाद से ईरान पहले ही दबाव में है। एक्सपर्ट मान रहे हैं कि बढ़ते विरोध प्रदर्शन बड़ी चुनौती बन सकते हैं।

ईरान की सरकार क्या कह रही है?

ईरान की सरकार मान रही है कि विरोध की वजह आर्थिक तंगी है। राष्ट्रपति मसूद पेजेशिकयान ने कहा है कि सरकार लोगो की बात सुनना चाहती है. लेकिन मुद्रा पर काबू पाना मुश्किल हो रहा है। सुरक्षा बलों ने कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया है और हथियार जब्त करने का दावा किया है। 2022 में महसा अमिनी की मौत के बाद हुए प्रदर्शनौ के समय कई पत्रकारो को गिरफ्तार किया गया था, तभी स्थानीय मीडिया डर से खुलकर रिपोर्टिंग नहीं कर रहा। सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई के एडवाइजर अली शामखानी ने चेतावनी देते हुए कहा, 'ईरान की सुरक्षा में दखल देने वाले हाथ को काट दिया जाएगा।

ड्रग्स बहाना, असली मकसद तेल का खजाना, नहीं झुका वेनेजुएला तो अमेरिका ने किया खेला

2025 वैश्विक मंच पर ट्रंप की एकतरफा नीतियों का चरम था। दुनिया ट्रंप को कुछ ज्यादा ही गंभीरता से ले रही थी, लेकिन वह स्टेट्समैन कम और रीयल एस्टेट सेल्समैन ज्यादा हैं। उन्होंने धमकी तो बेहद ऊंचे टैरिफ की दी, मगर सौदेबाजी करते हुए इसे कम करते गए। जैसे-जैसे राष्ट्रपति अपनी शक्ति पर लगाए जा रहे प्रतिबंधों से निराश होते जाएंगे, वे ऐसे क्षेत्रों में हिंसक कार्रवाई कर सकते हैं जिससे उनकी अपेक्षा से कहीं अधिक अस्थिरता उत्पन्न हो सकती है–उदाहरण के लिए, निकोलस मादुरो के वेनेजुएला के खिलाफ। ट्रंप रूस, यूक्रेन, भारत, बांग्लादेश, यूरोप, खाड़ी देशों सभी को ब्लैकमेल कर रहे हैं। किसी को टेरिफ की धमकी दे रहे हैं तो किसी को हथियारों की। वेनेजुएला पर अमेरिका ने हथियारों का इस्तेमाल किया है। अमेरिका वेनेजुएला के तेल भंडारों को लूटने के लिए वहां के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सत्ता से हटाना चाहता है। अमेरिका ने वेनेजुएला के ऑयल एक्सपोर्ट्स पर भी सेंक्शंस लगा दिए। अब अमेरिका की तरफ से वेनेजुएला पर हमले की खबर सामने आ गई है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि यह हमला क्यों किया गया है और अमेरिका-वेनेजुएला के बीच तनाव क्यों है

ट्रंप, वेनेजुएला के लाखों प्रवासियों के अमेरिका पहुंचने के लिए मादुरो को दोषी ठहराते हैं। अनुमान है कि 2013 से अब तक लगभग आठ मिलियन वेनेजुएलावासी देश के आर्थिक संकट और दमन से भागकर अमेरिका आ चुके हैं। बिना कोई सबूत दिए, ट्रंप ने मादुरो पर आरोप लगाया है कि उन्होंने 'अपनी जेलों और पागलखानों को खाली कर दिया है' और कैदियों को अमेरिका में प्रवास करने के लिए 'मजबूर' किया है। ट्रंप ने अमेरिका में ड्रग्स विशेष रूप से फेंटानिल और कोकीन की तस्करी को रोकने पर भी ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने वेनेजुएला के दो आपराधिक समूहों - ट्रेन डे अरागुआ और कार्टेल डे लॉस सोल्स को विदेशी आतंकवादी संगठन (एफटीओ) घोषित किया है और आरोप लगाया है कि कार्टेल डे लॉस सोल्स का नेतृत्व स्वयं मादुरो कर रहे हैं। विश्लेषकों ने बताया है कि कार्टेल डे लॉस सोल्स कोई पदानुक्रमित समूह नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा शब्द है जिसका इस्तेमाल उन भ्रष्ट अधिकारियों के लिए किया जाता है जिन्होंने वेनेजुएला के रास्ते कोकीन की आवाजाही की अनुमति दी है। मादुरो ने कार्टेल नेता होने से साफ इनकार किया है और अमेरिका पर आरोप लगाया है कि वह अपने 'नशीली दवाओं के खिलाफ युद्ध' का बहाना बनाकर उन्हें सत्ता से हटाने और वेनेजुएला के विशाल तेल भंडार पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 **Twitter:** https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 **Mobile No:** 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)